दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....
internalnews@gmail.com
www.internalnews.com
वर्ष : 12 | अंक : 127 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, बुधवार 05 अगस्त 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सूविचार

अगर आप सफल होना चाहते है, तो आपको सफलता के घिसे-पिटे रास्तों पर चलने की बजाएं नए रास्ते बनाने चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार, बौद्धिकता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों

समय की मांग के अनुरूप युवा हो रहे हैं शिक्षित-प्रशिक्षित

राज्यपाल पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम : दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन' विषय पर प्रशासन अकादमी में कार्यशाला का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हमारे युवा नैतिक मूल्यों से जुड़ने के साथ-साथ समय की मांग के अनुरूप शिक्षित-प्रशिक्षित हो रहे हैं। शिक्षा नीति की यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ देश और राज्य को मजबूत बनाने में सहायक होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के बाद उसके विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाने की दिशा में उच्च शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट कार्य किया है।

इसके लिए विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन विषय पर प्रशासन अकादमी में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक, रोजगारोन्मुख, बहुविषयक तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना कार्यशाला का उद्देश्य है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन सहित देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ एवं विश्वविद्यालयों के कुलगुरु भी सहभागी हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मध्य प्रदेश में लागू की गई। राज्य सरकार ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में शामिल करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप हमारा प्रयास है कि पाठ्यक्रम, ज्ञान के साथ कौशल विकास भी शामिल हो। राज्य सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। पढ़ाई पूरी होने के बाद विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर भी जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप पाठ्यक्रम तैयार करने में यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। महाविद्यालयों में आधुनिक जरूरत और उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप, शिक्षा व्यवस्था करने के लिए यहां मंथन होगा। इस कार्यशाला के निष्कर्ष बेहतर पाठ्यक्रम तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे।

प्रदेश में कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास जारी

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के साथ टेक्नोलॉजी, एआई, इंजीनियरिंग पर भी बेहतर कार्य हो रहा है। शिक्षा विभाग में तकनीक का समावेश तेजी से बढ़ा है। पिछले दो वर्ष में हजारों की संख्या में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की गई है। कैपेसिटी बिल्डिंग और फैकल्टी डेवलपमेंट के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि राज्य सरकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने में अग्रणी है। राज्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए एक शीर्ष समिति गठित की गई है, पिछले ढाई साल से इस पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार, बौद्धिकता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। इच्छाशक्ति के अभाव में पिछली दो शिक्षा नीतियों का पूर्णतः क्रियान्वयन नहीं हो सका। वर्तमान में समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि हम भारतीयता से दूर जा रहे हैं। आज मानसिक तनाव दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, जिसका समाधान सिर्फ योग में हैं। हमें प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक दोनों के साथ आगे बढ़ना है। ज्ञान, चरित्र और कौशल से ही हमारी शिक्षा पूर्ण होती है। विकसित भारत ञ्ज 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति का आधार शिक्षा ही है। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर मनु संथानम ने कहा कि आईआईटी चेन्नई मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में सहयोग के तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर हाईकोर्ट चिंतित, सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में छात्रों की सुरक्षा पर गहरी चिंता जाहिर की है। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृज राज सिंह की पीठ ने जर्जर भवनों के साथ-साथ अन्य गैर-संरचनात्मक खतरों को भी बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा जोखिम माना है। गोमती रिवर बैंक रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह मुद्दा उठा। अदालत को बताया गया कि करीब 4,000 विद्यालयों के ऊपर से हाईटेंशन बिजली की लाइनें गुजर रही हैं, इससे विद्यार्थियों की सुरक्षा खतरे में है। इस पर यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के प्रबंध निदेशक को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। पीठ ने जौनपुर में एक स्कूल की इमारत गिरने और लखनऊ में एक दिव्यांग स्कूल के गेट से छात्र की मौत जैसी घटनाओं का उल्लेख कर शैक्षणिक संस्थानों को सुरक्षित बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। न्यायालय ने स्कूल बसों और वैन से बच्चों के सुरक्षित आवागमन का मुद्दा उठाया। परिवहन विभाग के अनुसार, 2,370 स्कूल वाहन चालकों में से 527 की पुलिस सत्यापन रिपोर्ट प्रतिकूल मिली। अदालत ने चालकों की पृष्ठभूमि का सत्यापन अनिवार्य बताया। लखनऊ पुलिस ने विद्यालयों के प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और अगली सुनवाई तक उनकी संख्या व लागत का ब्यौरा देने की जानकारी दी।

नहीं दूंगा अपने पद से इस्तीफा, कांग्रेस नेतृत्व ने हटाया तो भी पार्टी के लिए करुंगा काम

बठिंडा। पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने सोमवार को कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। हाल के दिनों में पार्टी के कार्यक्रमों में वडिंग को पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों की ओर से नारेबाजी का सामना करना पड़ा है। बठिंडा में पंजाब के प्रभारी एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल की मौजूदगी में मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में वडिंग ने कहा कि मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। इसी बीच पंजाब कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि अगर पार्टी नेतृत्व उन्हें हटाने का फैसला करता है, तो भी वह संगठन को मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे। वडिंग ने कहा कि पिछले चार सालों से उन्होंने पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम किया है और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 13 में से सात सीटें जीती थीं। पार्टी के हर बूथ कांग्रेस मजबूत कार्यक्रमों के दौरान वडिंग और बघेल ने बठिंडा और मुक्त सर में मीडिया से बातचीत की।

मणिपुर में एक उग्रवादी गिरफ्तार, अभियान में भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के काकचिंग शहर में एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े 42 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया जबकि कांगपोकपी जिले में एक अलग अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। मंगलवार को पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा) के स्वयंभू 'मेजर' को सोमवार को वांगू मामेइचिंग इलाके में उसके घर से पकड़ा। बयान में कहा गया है कि उसी दिन एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी के सैकुल पुलिस थाना क्षेत्र में मकोकचिंग जंगल की पहाड़ी श्रृंखला में हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। पुलिस ने बताया कि बरामद हथियारों में एक एम16 राइफल, सात पिस्तौल, एक मार्क-3 राइफल, एक स्नाइपर राइफल, एक .22 बोल्ट-एक्शन गन, 25 सिंगल-बैरल बंदूकें, अलग-अलग कैलिबर के 76 कारतूस, चार पंपी, तीन हथगोले और बीस डेटोनेटर शामिल हैं। अभियान के दौरान चार रेडियो सेट भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है।

लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल हर्ष फायरिंग के लिए नहीं कर सकतेः हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल विवाह समारोहों या धार्मिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग के लिए नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रत्येक लाइसेंसधारक का दायित्व है कि वह खरीदे और इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का रिकॉर्ड भी रखे। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने अखिलेश कुमार की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता ने 767 कारतूसों का हिसाब नहीं दे पाने के बाद रद्द किए गए शस्त्र लाइसेंस के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 29 जुलाई को दिए फैसले में कहा कि शस्त्र लाइसेंस एक विशेषाधिकार है, जो कानून और लाइसेंस की शर्तों के कड़ाई से पालन पर निर्भर करता है। कोर्ट ने लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी के आदेशों को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि शस्त्र लाइसेंस एक विशेषाधिकार है और इसे इस विश्वास के साथ जारी किया जाता है कि लाइसेंसधारक इसकी सभी शर्तों का पालन करेगा। मामले के मुताबिक याचिकाकर्ता को 2000 में शस्त्र लाइसेंस जारी किया गया था।

नीतीश कुमार ने दिल्ली में पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के अगले दिन हुई, जहाँ भाजपा को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने उसके गढ़ में शिकस्त दी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ नीतीश की बैठक में जदयू नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मुलाकात की पुष्टि की। नीतीश कुमार ने संसद भवन परिसर में हुई एक शिष्टाचार भेंट बताया।

भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले बांकीपुर में यह उपचुनाव नितिन नवीन के सीट खाली करने के बाद हुआ था, और भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार को प्रशांत किशोर ने 19,324 मतों के अंतर से हराया। उल्लेखनीय है कि दस बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने इस साल अप्रैल में इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद राज्य में पहली बार एक भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने सरकार की कमान संभाली। बिहार में जदयू और भाजपा सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक हैं।

केंद्रीय मंत्री नड्डा का पूर्वोत्तर दौराः बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा 4 से 6 अगस्त तक पूर्वोत्तर भारत के तीन दिवसीय दौरे पर रहने वाले है। वे असम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करने वाले है। केंद्रीय मंत्री नड्डा 4 को डिब्रूगढ़ पहुंचकर 5 अगस्त को नड्डा असम के सर्वाधिक प्रभावित चराइदेव जिले का दौरा कर स्वास्थ्य सुविधाओं व राहत कार्यों का निरीक्षण करने वाले है। इसके बाद वे नागालैंड के मोन जिले जाएंगे और डिब्रूगढ़ लौटकर असम सरकार के अधिकारियों संग स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा ढांचे की बहाली और संक्रामक रोगों की रोकथाम पर समीक्षा बैठक करने वाले है। दौरे के अंतिम दिन, 6 अगस्त को केंद्रीय मंत्री अरुणाचल प्रदेश के केयी पैन्योर जिले के याज़ाली में स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत करने पर चर्चा करने वाले है।

सुप्रीम कोर्ट ने विदेश मंत्रालय को लापता भारतीय नाविक का पता लगाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विदेश मंत्रालय (एमईए) को निर्देश दिया कि वह राजनयिक चैनलों का उपयोग करके उस भारतीय नाविक का पता लगाए, जो यूक्रेन के पास काला सागर में कार्गो जहाज पर ड्रोन हमले के बाद लापता हुआ। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची व वी. मोहना की पीठ साधारण नाविक दीपक कुमार गुप्ता से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो एमवी एजीएन रैगनार पर कार्यरत थे। सुप्रीम कोर्ट ने गौर किया कि लापता नाविकों की स्थिति को लेकर परस्पर विरोधी खबरें आई थीं, कुछ रिपोर्टों में चारों नाविकों के डूबने का दावा किया गया, जबकि अन्य में दो के जीवित होने की बात सामने आई थी। सीजेआई सूर्य कांत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि यह ऐसा मामला है जिसमें मोदी सरकार के तत्काल और गंभीर दखल की ज़रूरत है। दीपक कुमार गुप्ता उन चार भारतीय नाविकों में से एक थे जिनके जहाज पर 25 जुलाई को यूक्रेन के पास ड्रोन से हमला हुआ था। जहाज पर कुल नौ क्रू मेंबर थे, जिसमें चार भारतीय थे। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने बाद में बताया था कि चार भारतीय नागरिकों में से दो सुरक्षित हैं, जबकि बाकी दो के बारे में जानकारी का इंतजार था। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि चार भारतीय क्रू मेंबर में से दो को रोमानियाई कोस्ट गार्ड की मदद से बचाया गया, जबकि बाकी दो को आग से बचने के लिए पानी में कूदना पड़ा था।

राज्यसभा में चढ़ावा चोरी को लेकर हुए हंगामे के बाद कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

कांग्रेस और सहयोगियों के भगवान राम को लेकर दिए बयान पर माफी मांगनी चाहिए : रिजिजू

नई दिल्ली। मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही कुछ देर बाद ही स्थगित करनी पड़ी। दरअसल राज्यसभा में विपक्ष ने मंगलवार राम मंदिर के चढ़ावा चोरी और प्रबंधन में अपारदर्शिता, गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम राम मंदिर ट्रस्ट और उसमें मिले बहुमूल्य उपहारों, नकद दान, जमीन की खरीदी और उसके प्रबंधन को लेकर उठे गंभीर आरोपों पर सवाल किए। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है।

वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने पूर्व में भगवान राम को लेकर जो बयान दिए थे, उन पर उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह सदन केवल नेता प्रतिपक्ष का नहीं। उन्हें इस तरह बार-बार बोलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। इस बीच सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ। केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के सांसदों ने भी अपनी सीटों से उठकर अपनी आपत्ति दर्ज कराने लगे। वहीं विपक्षी सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे जिस को देखते हुए सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन की कारवाई को स्थगित कर दिया। इस हंगामे से पहले खड़गे ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया है। पीएम मोदी ने स्वयं सदन में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी और सरकार ने 70 एकड़ से ज्यादा भूमि ट्रस्ट को सौंपी।

आफत

बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड से सैकड़ों यात्री फंसे, अंबाला में घरों में घुसा पानी

देशभर में बारिश से अलग-अलग घटनाओं में 11 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देशभर में बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सोमवार को बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। 14 घायल हुए हैं। मरने वालों में बिहार के अलग-अलग जिलों के 7 और बंगाल के हावड़ा के 4 लोग शामिल हैं। उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। सड़क पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके कारण करीब 200 यात्री फंस गए। हरियाणा के अंबाला और झज्जर में रात भर बारिश हुई। इससे सड़कें तालाब बन गईं। दुकानों में पानी घुस गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपी के आगरा में रात 1 बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भरा है। स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बाराबंकी में दो घंटे की तेज बारिश से बस स्टेशन पर पानी भर गया। ऋषिकेश में गंगा वॉर्निंग लेवल के पास पहुंच गई है, जिससे एसडीआरएफ की घाटों पर तैनाती बढ़ा दी है। आरती घाट डूब गए हैं। लोगों को दूर रहने की अपील की जा रही है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 घायल हुए। बात दें जगतबल्लवपुर में खेतों में काम कर रहे लोगों पर बिजली गिरने से 2 किसानों की मौके पर मौत हो गई और 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं आमता में तालाब पर हाथ-पैर धो रहे 35 साल के एक किसान की बिजली गिरने से मौत हो गई। बगनान के कटापुकुर में खेत में काम कर रहे एक अन्य किसान की भी बिजली की चपेट में आने से जान चली गई।

पतंजलि योग समिति ने जड़ी-बूटी दिवस पर किया औषधीय पौधों का रोपण

आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में योग, यज्ञ, पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

इटारसी। पतंजलि योग समिति, इटारसी द्वारा मंगलवार को कावेरी स्टेट गार्डन में तहसील स्तरीय जड़ी-बूटी दिवस का आयोजन उत्साह एवं श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 6 बजे नियमित योग, प्राणायाम एवं यज्ञ से हुआ। यज्ञ की आहुतियों से वातावरण सुगंधित एवं आध्यात्मिक बन गया, जिसके बाद विभिन्न औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया।

पौधरोपण अभियान के तहत चंदन, गिलोय, एलोवेरा, अश्वगंधा, मधुकान्तक, तुलसी, बेल, मीठी नीम, हड़जोड़, अपराजिता, शमी, पपीता, नींबू, जामफल, अनार एवं गुड़मार सहित अनेक औषधीय पौधे लगाए गए। जड़ी-बूटी दिवस परम पूज्य आचार्य श्री बालकृष्ण के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्राकृतिक संपदा का संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से मनाया जाता है।

कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान न्यास के प्रांतीय प्रचारक एवं नर्मदापुरम जिला प्रभारी श्री मोहनलाल गौर ने जड़ी-बूटियों के औषधीय महत्व, संतुलित एवं विपरीत आहार तथा प्राकृतिक जीवनशैली पर उपयोगी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को जड़ी-बूटी युक्त पेय प्रसाद वितरित किया गया तथा पानी की टंकियों में उपयोग हेतु जामुन की लकड़ी से निर्मित स्मृति-चिन्ह भी भेंट किए गए। कावेरी स्टेट का गार्डन स्थानीय निवासियों, नियमित निःशुल्क योग साधकों, कावेरी केयर समिति की महिला टीम तथा वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग से सुव्यवस्थित रखा जा रहा है। इस अवसर पर गोदड़ीवाला धाम, पुरानी इटारसी राम मंदिर क्लास, कावेरी स्टेट एवं न्यू यार्ड योग केंद्रों के मुख्य प्रशिक्षक, सहयोगी प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में साधकों ने खुले वातावरण में सामूहिक योगाभ्यास कर सर्वे भवन्तु सुखिन: की मंगलकामना की। समिति ने बताया कि जड़ी-बूटी माह के अंतर्गत 15 जुलाई से अब तक 40 से 50 औषधीय पौधे लगाए जा चुके हैं तथा 15 अगस्त तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

फिर बेखौफ बदमाशों का तांडव, साइकिल दुकान संचालक पर जानलेवा चाकू से हमला

मालवीयगंज स्थित दुकान में घुसकर तीन नकाबपोश हमलावरों ने किया ताबड़तोड़ वार, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

इटारसी। शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं के बीच मंगलवार को एक बार फिर चाकूबाजी की सनसनीखेज वारदात सामने आई। मालवीयगंज क्षेत्र में दिनदहाड़े तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक साइकिल दुकान में घुसकर संचालक गौरव राठौर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल गौरव राठौर को तत्काल शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

दुकान में घुसते ही किया हमला : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गौरव राठौर अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान मुंह पर कपड़ा बांधे तीन युवक अचानक दुकान में घुस आए। किसी को कुछ समझने का मौका मिलता, उससे पहले ही आरोपियों ने गौरव पर चाकू से लगातार कई वार कर दिए। अचानक हुए हमले से दुकान और आसपास के क्षेत्र में

अफरा-तफरी मच गई। लोगों के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग निकले।

लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया : घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों और परिजनों ने घायल गौरव राठौर को तत्काल शासकीय अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनका इलाज शुरू किया। चाकू के कई वार लगने से उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

पुलिस ने शुरू की जांच, हमलावरों की तलाश तेज : घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमों को सक्रिय कर दिया है।

दो दिन पहले भी हुई थी चाकूबाजी : शहर में यह लगातार दूसरी बड़ी चाकूबाजी की घटना है। दो तीन पहले रेलवे स्टेशन के पास कपड़ों का ठेला लगाने वाले एक युवक पर भी चाकू से हमला किया गया था। उस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकालते हुए कड़ा संदेश देने का प्रयास किया था। इसके बावजूद एक और जानलेवा हमला हो जाने से शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

व्यापारियों और नागरिकों में आक्रोश : लगातार हो रही चाकूबाजी की घटनाओं से व्यापारियों और आम नागरिकों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े दुकानों में घुसकर हमले होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। नागरिकों ने पुलिस से मांग की है कि शहर में गश्त बढ़ाई जाए, असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाए तथा आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस संबंध में नर्मदापुरम जिले के एडिशनल एसपी अभिषेक राजन से बात करना चहा तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

एमपी में फिर बदलेगा मानसून का मिजाज 6 अगस्त से तेज बारिश की वापसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में पिछले चार दिनों से भारी बारिश का दौर थमने से मानसून की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को केवल बादल छाए रहे और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 5 अगस्त तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा, लेकिन 6 अगस्त से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मानसून फिर सक्रिय होगा और कई जिलों में तेज बारिश होने की संभावना है। लगातार कई दिनों तक भारी बारिश नहीं होने का असर अब प्रदेश के कुल वर्षा आंकड़ों पर भी दिखने लगा है। अब तक मध्य प्रदेश में औसतन 404.2 मिमी (15.9 इंच) बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस समय तक 482 मिमी (19 इंच) बारिश हो जानी चाहिए थी। यानी प्रदेश में सामान्य से करीब 16 प्रतिशत कम वर्षा हुई है।

पूर्वी मध्य प्रदेश सबसे ज्यादा पिछड़ा- बारिश की कमी का सबसे ज्यादा असर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में दिखाई दे रहा है। जबलपुर, शहडोल, रीवा

और सागर संभाग के सभी जिले सामान्य से पीछे हैं। इन क्षेत्रों में औसतन 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है। अनूपपुर से लेकर उमरिया तक कई जिलों में वर्षा की कमी 1 से 42 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई है।

पश्चिमी हिस्से में भी राहत नहीं- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और ग्वालियर-चंबल संभाग में भी सामान्य से 11 प्रतिशत कम बारिश हुई है। भोपाल, रायसेन, विदिशा, राजगढ़, धार, मंदसौर, उज्जैन, शिवपुरी, ग्वालियर समेत कई जिले अभी भी बारिश के कोटे से पीछे चल रहे हैं। हालांकि बड़वानी, भिंड, बुरहानपुर, देवास, इंदौर, खंडवा और खरगोन ऐसे जिले हैं, जहां सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। खरगोन जिले का देजला-देवाड़ा जलाशय पूरी तरह भर चुका है और वहां स्पिलवे से पानी का बहाव शुरू हो गया है।

तीन सिस्टम मौजूद, असर नहीं- प्रदेश के ऊपर दो चक्रवाती परिसंचरण और एक मानसूनी द्रोणिका सक्रिय हैं, लेकिन इनका प्रभाव फिलहाल मध्य प्रदेश पर नहीं पड़ रहा है। इसी वजह से कई इलाकों में धूप निकली, जबकि कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 6 अगस्त से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के बाद बारिश की गतिविधियां तेज होंगी।

उज्जैन के बड़े गणेश मंदिर में आजादी का उत्सव 15 नहीं 11 अगस्त को मनाया जाएगा

उज्जैन। देशभर में स्वतंत्रता दिवस भले ही 15 अगस्त को मनाया जाएगा, लेकिन उज्जैन के बड़े गणेश मंदिर में आजादी का उत्सव 11 अगस्त को मनाया जाएगा। धार्मिक नगरी उज्जैन में इसकी वजह मंदिर की वह अनूठी परंपरा है, जिसके तहत राष्ट्रीय पर्व अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख के बजाय उस वैदिक तिथि के अनुसार मनाए जाते हैं, जिस तिथि पर ऐतिहासिक घटना घटी थी। ज्योतिषाचार्य पं. अक्षय व्यास ने बताया कि भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली थी। उस दिन श्रावण कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि थी। इस वर्ष यही तिथि 11 अगस्त (मंगलवार) को पड़ रही है। इसलिए मंदिर में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन चार दिन पहले किया जाएगा। मंदिर में सुबह गणतंत्र के आराध्य देव बड़े गणेश का अभिषेक-पूजन किया जाएगा तथा गणपति स्तोत्र के सहस्र पाठ होंगे। इसके बाद ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और भारत माता का पूजन किया जाएगा। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रसाद वितरण भी होगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नागरिक इस आयोजन में शामिल होंगे।

पं. व्यास ने बताया कि बड़े गणेश मंदिर में 15 अगस्त, 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों के साथ-साथ महापुरुषों की जयंती भी तिथि के अनुसार मनाने की वर्षों पुरानी परंपरा है। इसके अलावा हिंदी दिवस भी तिथि के अनुसार मनाया जाता है। पं. नारायण व्यास विश्वविख्यात ज्योतिषाचार्य थे। उनके समय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने पुणे (महाराष्ट्र) में एक अधिवेशन आयोजित किया था, जिसमें पं. नारायण व्यास भी शामिल हुए थे। पं. अक्षय व्यास के अनुसार, उस दौरान तिलक ने उनसे भारत की आजादी की घोषणा के लिए शुभ तिथि निर्धारित करने का आग्रह किया था।

गणना के बाद उन्होंने श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शुभ बताया। बाद में भारत की स्वतंत्रता की घोषणा इसी तिथि पर हुई, जो अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 15 अगस्त 1947 थी। इसी प्रकार, जब स्वतंत्र भारत के संविधान लागू करने की तिथि निर्धारित की गई, तब विक्रम संवत 2007 के माघ शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि आई, जो अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 26 जनवरी 1950 थी। मंदिर के पुजारी एवं ज्योतिषाचार्य पं. अक्षय व्यास के अनुसार, मंदिर में आज भी सभी पर्व तिथि के अनुसार ही मनाए जाते हैं। जैसे रक्षाबंधन, होली और दीपावली किसी निश्चित अंग्रेजी तारीख पर नहीं आते, उसी प्रकार राष्ट्रीय पर्वों को भी वैदिक तिथि के अनुसार मनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का आयोजन 11 अगस्त को किया जाएगा। यह परंपरा हर वर्ष निभाई जाती है, ताकि भारतीय संस्कृति, प्राचीन परंपराओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान बना रहे। उनका कहना है कि आज राष्ट्रीय पर्व केवल अंग्रेजी तारीखों तक सीमित होकर रह गए हैं, जबकि उनकी मूल तिथि का भी अपना महत्व है। पं. अक्षय व्यास ने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बड़े गणेश मंदिर में गुरुकुल संचालित होता था, जहां विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते थे। इसी परिसर में कई क्रांतिकारी भेष बदलकर भी ठहरते थे। उन्होंने बताया कि मंदिर में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र भी लगे हुए थे। साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय क्रांतिकारियों को यहां गुप्त रूप से सहयोग भी प्रदान किया जाता था।

बीएसी-सीएसी काउंसलिंग पर विवाद, शिक्षक संगठनों ने कलेक्टर से लगाई रोक की गुहार

नर्मदापुरम। जिले में 6 जुलाई को प्रस्तावित बीएसी (ब्लॉक अकादमिक समन्वयक) एवं सीएसी (क्लस्टर अकादमिक समन्वयक) के रिक्त पदों पर होने वाली काउंसलिंग को लेकर शिक्षक संगठनों ने आपत्ति दर्ज कराई है। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, राज्य शिक्षक संघ तथा समग्र शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर काउंसलिंग प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने और नियमानुसार नई प्रक्रिया अपनाने की मांग की है। ज्ञापन में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष सुषमा मौर्य, जिला उपाध्यक्ष मोनिका जोशी, राज्य शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष उमेश ठाकुर तथा समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री जे.पी. शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग एवं राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों के अनुसार बीएसी और सीएसी की प्रतिनियुक्ति अवधि दो वर्ष होती है, जिसे कार्य के आधार पर अधिकतम दो वर्ष और बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद प्रतिनियुक्ति समाप्त कर संबंधित अधिकारी को मूल संस्था में भेजना अनिवार्य है। संगठनों का आरोप है कि जिले में कई बीएसी और सीएसी पिछले 15 से 16 वर्षों से एक ही पद पर बने हुए हैं, जिससे पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि नियमानुसार अवधि पूरी कर चुके सभी पदों को रिक्त घोषित कर नई सूची जारी की जानी चाहिए, उसके बाद ही काउंसलिंग कराई जाए। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि प्रस्तावित काउंसलिंग केवल राज्य शिक्षा केंद्र की वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए गए मौखिक निर्देशों के आधार पर कराई जा रही है, जबकि इस संबंध में कोई लिखित आदेश जारी नहीं हुआ है। शिक्षक संगठनों ने इसे नियमों के विपरीत बताते हुए प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

बड़ा तालाब से पानी की सप्लाई नहीं, भोपाल के करोंद समेत 40 इलाकों में असर, कल से सप्लाई होगी

भोपाल। भोपाल के बड़ा तालाब से जिन इलाकों में पानी की सप्लाई होती है, वहां आज जलप्रदाय नहीं होगा। करबला पंप हाउस और मनुआभान टेकरी फिल्टर प्लांट पर मंगलवार को बिजली का शटडाउन है। इस वजह से यह दिक्कत सामने आएगी। नगर निगम की टीम करबला पंप हाउस पर 800 एमएम व्यास की रॉ वॉटर पाइप लाइन में लीकेज सुधार एवं मनुआभान टेकरी जलशोधन संयंत्र पर आवश्यक सुधार करेगी। इसके चलते दोपहर और शाम को पानी की सप्लाई नहीं होगी। सुबह 9 बजे से काम शुरू कर दिया गया, जो शाम 7 बजे तक चलेगा। निगम अफसरों का कहना है कि बुधवार से नियमित सप्लाई की जाएगी।

ब्लू मून कॉलोनी, नवाब कॉलोनी, प्रेम नगर, सुंदर नगर, प्रीत नगर, शिवशक्ति नगर, शिव नगर फेज-1, 2 एवं 3, कल्याण नगर, प्रताप नगर, चंदन नगर, रासलाखेड़ी, बिहारी कॉलोनी, पटेल नगर, मालीखेड़ी, भानपुर रोड, हाउसिंग बोर्ड करोंद, देवकी नगर, अमन कॉलोनी, कमल नगर, सईद कॉलोनी, पंचवटी कॉलोनी, शिव नगर जोन 17, रतन कॉलोनी, कृषक नगर, रिंग गार्डन, बृज कॉलोनी, गोया कॉलोनी, पूजा कॉलोनी, शिवानी होम्स, नवजीवन कॉलोनी, छोला मंदिर, सत्यज्ञान नगर, शंकर नगर, उड़िया बस्ती, टिम्बर मार्केट, नगर निगम कॉलोनी, चांदबाड़ी आदि क्षेत्र। आज जिन इलाकों में पानी की सप्लाई नहीं होगी, वहां निगम टैंकरों से पानी भेजेंगी। अफसरों ने बताया कि जहां से पानी के लिए मांग आएगी, वहां पर टैंकरों से सप्लाई की जाएगी। ताकि, लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मप्र में फर्जी दस्तावेजों से निजी स्कूल चलाने पर 2 लाख जुर्माना और मान्यता रद्द

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने निजी हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की मान्यता प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत अब गलत जानकारी या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मान्यता लेने वाले निजी स्कूलों पर दो लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही संबंधित स्कूल की मान्यता भी समाप्त की जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने संशोधित नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है।

छात्र संख्या के अनुसार जमा करनी होगी सुरक्षा राशि- सरकार ने छात्र संख्या के आधार पर सुरक्षा जमा राशि भी निर्धारित की है। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों को 25 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की राशि बैंक एफडी के रूप में प्राचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी के संयुक्त नाम से जमा करनी होगी।

बायोमैट्रिक उपस्थिति और प्रयोगशालाएं अनिवार्य

नई व्यवस्था के अनुसार सभी शिक्षकों के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराना आवश्यक होगा। वहीं हाईस्कूल स्तर पर कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए कंपोजिट साइंस लैब अनिवार्य रहेगी। हायर सेकेंडरी स्तर पर कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की अलग-अलग प्रयोगशालाएं होना जरूरी होगा। जिन स्कूलों में पर्याप्त भवन, सुरक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी, उन्हें दो पालियों में संचालन की अनुमति भी मिल सकेगी।

सालभर आवेदन, लेकिन तय समयसीमा लागू

संशोधित नियमों के तहत मान्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन पूरे वर्ष किए जा सकेंगे, लेकिन अगले शैक्षणिक सत्र के लिए केवल 30 सितंबर तक प्राप्त आवेदनों पर ही विचार होगा। भौतिक सत्यापन, आपत्तियों और अपीलों सहित पूरी प्रक्रिया 28 फरवरी तक पूरी करना अनिवार्य रहेगा। आवेदन निरस्त होने पर संबंधित संस्था को पहले आयुक्त, लोक शिक्षण और उसके बाद राज्य मान्यता समिति के समक्ष निर्धारित समय सीमा में अपील करने का अवसर मिलेगा।

अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक एर्नाकुलम, केरलम में संपन्न

जेपीएससी, बीपीएससी, केपीएससी एवं पंजाब की प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक के विरुद्ध विद्यार्थियों के संघर्ष को अभाविप का समर्थन

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक 1 एवं 2 अगस्त 2026 को जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की पावन जन्मस्थली एर्नाकुलम, केरलम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक समीक्षा, समसामयिक राष्ट्रीय विषयों तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस केंद्रीय कार्यसमिति बैठक के माध्यम से अभाविप ने स्पष्ट किया कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी), बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी), कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी), पंजाब सहित देश के विभिन्न राज्यों में प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं को लेकर अभाविप विद्यार्थियों की न्यायोचित मांगों एवं उनके द्वारा किए जा रहे लोकतांत्रिक आंदोलनों का पूर्ण समर्थन करती है। साथ ही, अभाविप समाज के विभिन्न संगठनों एवं नागरिकों से भी इस विद्यार्थी आंदोलन में सहभागिता का आह्वान करती है। अभाविप का स्पष्ट मत है कि प्रत्येक विद्यार्थी को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली प्राप्त होना उसका अधिकार है। इसी प्रतिबद्धता के साथ झारखंड में प्रश्नपत्र लीक से संबंधित समाचार सामने आने के तुरंत बाद अभाविप ने सर्वप्रथम राज्यपाल को विस्तृत ज्ञापन सौंपा, हस्ताक्षर अभियान चलाया तथा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए। अभाविप सदैव विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली एवं

निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के पक्ष में संघर्ष करती रही है और आगे भी विद्यार्थियों के प्रत्येक न्यायोचित मुद्दे पर उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। अभाविप का मानना है कि परीक्षा व्यवस्था को पूर्णतः पारदर्शी, विश्वसनीय एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए अभी भी आवश्यक संस्थागत सुधार किए जाने शेष हैं। इसलिए अभाविप नीट परीक्षा में अनियमितताओं के पश्चात गठित उच्चस्तरीय समिति के समक्ष अपने विस्तृत सुझाव एवं अनुशंसाएँ भी प्रस्तुत करेगी, ताकि देश में निष्पक्ष, विश्वसनीय एवं त्रुटिरहित परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। बैठक में अभाविप के प्रमुख राष्ट्रीय अभियानों की आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान के साथ वंदे मातरम् @150 वर्ष- कैंपस टू कैंपस वंदे मातरम् अभियान को देशभर के शैक्षणिक परिसरों तक व्यापक रूप से पहुँचाने का निर्णय लिया गया। साथ ही 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा रैली, एक गाँव-एक तिरंगा अभियान तथा सामूहिक वंदे मातरम् गायन अभियान के आयोजन की रूपरेखा भी निर्धारित की गई। बैठक में संसद द्वारा राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सम्मान को विधिक संरक्षण प्रदान किए जाने का स्वागत करते हुए इसे भारत की राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की विरासत तथा सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया गया।

पुलिस ने मोबाइल लूट के दो शातिर आरोपियों को दबोचा, 90 हजार का मशरुका जप्त

विशेष संवाददाता : विष्णु प्रसाद राठौर

भैरुंदा। थाना भैरुंदा पुलिस ने बस स्टेण्ड पर मोबाइल लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों से लूटा गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल 90 हजार रुपये का मशरुका जप्त किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 30/07/2026 को फरियादी धर्म सिंह बारेला, निवासी बडनगर थाना गोपालपुर के साथ बस स्टेण्ड भैरुंदा पर दो अज्ञात लड़कों ने मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना भैरुंदा में अपराध क्रमांक 439/26 धारा 309(4) ब्नहस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन एवं भैरुंदा एसडीओपी श्री रोशन कुमार जैन के पर्यवेक्षण में अज्ञात आरोपियों की धरपकड़ के लिए थाना प्रभारी भैरुंदा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बस स्टेण्ड भैरुंदा पर लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों से लूटा गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जप्त की गई।

गिरफ्तार आरोपी–

1. अरसद उर्फ मुवीन पिता हनीफ, उम्र 26 वर्ष, निवासी वार्ड 12 सर्वहारा कॉलोनी, भैरुंदा, जिला सीहोर

2. आहद पिता आजाद खान, उम्र 26 वर्ष, निवासी मियां मोहल्ला, कस्बा भैरुंदा, जिला सीहोर, हाल पता सर्वहारा कॉलोनी, भैरुंदा

जप्त मशरुका–

1. एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल – कीमत 20,000 रुपये

2. एक ।ख्न डीलक्स मोटरसाइकिल – कीमत लगभग 70,000 रुपये

कुल जप्त मशरुका – 90,000 रुपये

इस सराहनीय कार्य में उपनिरीक्षक कौशलेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक 525 मुकेश उईके, प्रधान आरक्षक 308 मनोज परते, आरक्षक 795 रवीन्द्र मेहर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व स्तनपान सप्ताहः मां का दूध नवजात के स्वस्थ जीवन की पहली नींव, जिलेभर में चल रहा जनजागरूकता अभियान

नर्मदापुरम। जिले में 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम जीवन की स्थायी शुरुआत के लिए स्तनपान –जो कारगर है उसे मजबूत करें रखी गई है। अभियान का उद्देश्य नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और समुचित विकास के लिए माताओं को स्तनपान के महत्व से अवगत कराना तथा समाज में इससे जुड़े भ्रम और कुरीतियों को दूर करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने बताया कि जिले के सभी शासकीय अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्रसूति वार्डों, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू), पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) तथा आंगनवाड़ी केंद्रों पर गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान के लाभों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। महिला चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों, एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा नियमित परामर्श सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान माताओं को बताया जा रहा है कि जन्म के तुरंत बाद शिशु को मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) अवश्य पिलाया जाए, क्योंकि यह शिशु के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच का कार्य करता है। साथ ही जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध ही देने, कंगारू मदर केयर अपनाने तथा दो बच्चों के बीच उचित अंतर रखने के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को आयोजित ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में भी स्तनपान के महत्व पर विशेष चर्चा की जा रही है। इस दौरान माताओं की शंकाओं का समाधान कर उन्हें शिशु के संतुलित पोषण एवं देखभाल संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की जा रही है। अस्पतालों के लेबर रूम में स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी नवजात के जन्म के तुरंत बाद शीघ्र स्तनपान शुरू कराने के लिए माताओं को प्रेरित कर रहे हैं।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) गांव-गांव में आयोजित सास-बहू सम्मेलन, सहयोगिनी समूह की बैठकों तथा सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्तनपान से जुड़े अंधविश्वासों और गलत धारणाओं को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही दस्तक अभियान के अंतर्गत दो वर्ष से कम आयु के बच्चों की माताओं एवं परिजनों को शिशु एवं बाल आहार संबंधी व्यवहारों पर भी परामर्श दिया जा रहा है।

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से ठप हुए राजस्व कार्य, 5 सूत्रीय मांगों पर अड़े, तहसीलों में बढ़ी परेशानी

विष्णु प्रसाद राठौर, विशेष संवाददाता

भैरूंदा। प्रदेश सरकार द्वारा पाँच सूत्रीय मांगों पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिए जाने से नाराज मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने 3 अगस्त सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। तहसील भैरूंदा के सभी पटवारियों ने सामूहिक रूप से कामकाज का बहिष्कार करते हुए तहसील कार्यालय में हड़ताल पर बैठने की लिखित सूचना तहसीलदार को सौंप दी।

हड़ताल शुरू होते ही तहसील में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फसल गिरदावरी, ऋण पुस्तिका और राजस्व अभिलेखों के संधारण जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। इससे किसानों और आम नागरिकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संघ ने 20 जुलाई को दिया था ज्ञापन

मध्यप्रदेश पटवारी संघ तहसील भैरूंदा के पदाधिकारियों ने बताया कि 20 जुलाई को शासन के नाम ज्ञापन सौंपकर 5 सूत्रीय मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की गई थी। मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं होने पर प्रदेश संगठन के आह्वान पर पहले चरणबद्ध आंदोलन किया गया। अब अंतिम चरण में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की गई है। तहसील अध्यक्ष रामनिवास पंवार ने कहा कि जब तक शासन उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस दौरान संघ ने किसी भी प्रकार का राजस्व संबंधी कार्य नहीं करने का निर्णय लिया है।

आमजन के काम प्रभावित

पटवारियों की हड़ताल का सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों पर पड़ेगा। किसानों के नामांतरण, बंटवारे, सीमांकन, विभिन्न प्रमाण-पत्रों के लिए आवश्यक प्रतिवेदन और राजस्व रिकॉर्ड में संशोधन जैसे काम प्रभावित होंगे। तहसील कार्यालयों में फाइलों का अंबार लगने की संभावना है।

हड़ताल के समर्थन में सौंपे गए पत्र में तहसील अध्यक्ष रामनिवास पंवार, जिला मंत्री संजय राठौर सहित तहसील के सभी पटवारियों के हस्ताक्षर हैं।

अब शासन के निर्णय का इंतजार है कि वह राजस्व व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए पटवारियों की मांगों पर कब कोई ठोस कदम उठाता है।

राज्य शासन यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गंभीर :सिंह

मंत्रिमंडल समूह ने बस ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की समस्याओं एवं विभिन्न मुद्दों के निराकरण के लिए की विस्तृत चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर भोपाल में सोमवार को मंत्रिमंडल समूह ने भोपाल में ट्रांसपोर्टर और बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, आयुक्त और बस ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बस ट्रांसपोर्ट ऐसोसिएशन की समस्याओं और उसके निराकरण की विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्रीमंडल समूह द्वारा एसोसिएशन की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में एसोसिएशन की प्रमुख मांगों पर विचार किया गया। चर्चा में बताया गया कि परिवहन सेवा को बेहतर बनाने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। इसमें राज्य शासन की तरफ से 3 अधिकारी, 4 ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी और मुख्यमंत्री से अधिकृत एक प्रतिनिधि होगा। कमेटी जो निर्णय करेगी उस पर सरकार विचार विमर्श करने के बाद आगे बढ़ेगी। बैठक में बस किराया को लेकर भी चर्चा हुई, परिवहन मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सरकार पहले ही निर्णय ले चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवहन विभाग की समीक्षा में सहमति व्यक्त की थी। जल्द ही उस पर निर्णय हो जाएगा।

बैठक में बताया गया कि रजिस्ट्रेशन उड़ीसा और केरल के मॉडल पर होगा। विधिवत बॉडी मेकर्स से बॉडी बनवाने के बाद भी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन होगा। डेड लाइन से पहले क्रय किए गए चेसिस पर भी सहमति बनी है। बस की लाइफ पर सरकार आवश्यकतानुसार परिवर्तन करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। अंतर्राज्यीय बस परमिट के जो मामले लंबित थे, उन पर नियमों के प्रावधानों के तहत उस पर भी निर्णय लिया गया। वर्तमान में लंबित जिन पर टैक्स जमा है, जिन बसों के परमिट लंबित है उनका भी परमिट आदि जारी करने की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में परिवहन विभाग में कर्मचारियों की उपलब्धता तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं पर भी चर्चा हुई। इसमें बताया गया कि विभाग द्वारा पदोन्नतियां प्रदान की गई हैं, रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है तथा आउटसोर्स माध्यम से आवश्यक कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं अन्य स्टाफ की व्यवस्था की जा रही है, जिससे वाहन स्वामियों एवं आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र , क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में सड़क निर्माण हेतु की मांग

चौरई। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर चौरई विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों के आश्रित मजरा-टोलों में मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रदान किए जाने की मांग की है जिसमें विकासखंड चौरई के ग्राम पंचायत अंतर्गत ग्राम निशानजानोजी पठराजंगलीरैयत, लोनीकला डोंगरीटोला, आमटा आमटा टोला, नौलाझिर कोडरखापा, नवेगांव गोंड चोरवतरी टोला, बिकला बर्राटोला, चांद बिछुआ मुख्य मार्ग से धोधरी हरहर तक एवं बिछुआ विकासखंड अंतर्गत ग्राम चीचगांवङ्कफगनू टोला मार्ग प्रमुख है। पूर्व विधायक श्री दुबे ने पत्र में बताया कि क्षेत्र के ग्रामीणों तथा छात्र-छात्राओं द्वारा लंबे समय से आवागमन की गंभीर समस्याओं से अवगत कराया जा रहा है बरसात के समय इन मार्गों की स्थिति अत्यंत खराब हो जाती है, जिससे ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।श्री दुबे ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि ग्रामीणों एवं छात्र-छात्राओं की सुविधा और क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए इन सभी मार्गों का निर्माण मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के अंतर्गत शीघ्र स्वीकृत कराया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके।

पुरानी नगर पालिका कॉम्प्लेक्स में अतिक्रमण पर सीएमओ रेखा जाटव का सख्त रुख, दुकानदारों को अंतिम चेतावनी

औचक निरीक्षण में दुकानों के बाहर फैला मिला सामान, दोबारा अतिक्रमण मिलने पर जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई के दिए निर्देश

इटारसी। नगर पालिका परिषद इटारसी की नवपदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) सुश्री रेखा जाटव ने शहर की यातायात व्यवस्था, बाजारों में सुगम आवागमन और नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सख्त तेवर अपनाने शुरू कर दिए हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद से ही वे सफाई व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं और नगर पालिका से जुड़े विभिन्न कार्यों की लगातार समीक्षा कर रही हैं। इसी क्रम में बुधवार को उन्होंने नगर पालिका अमले के साथ पुरानी नगर पालिका कॉम्प्लेक्स का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कॉम्प्लेक्स के बरामदों और सार्वजनिक मार्गों पर कई दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर सामान रखकर अतिक्रमण किए जाने की स्थिति सामने आई। इससे आम नागरिकों और ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। स्थिति देखकर सीएमओ रेखा जाटव ने मौके पर ही कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित दुकानदारों को तत्काल प्रभाव से बाहर रखा सामान हटाने के निर्देश दिए। सीएमओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कॉम्प्लेक्स के बरामदे और सार्वजनिक रास्ते आम लोगों की सुविधा के लिए हैं, किसी भी व्यापारी को उन पर कब्जा करने या सामान फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने सभी व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यह अतिक्रमण हटाने का अंतिम अवसर है। यदि भविष्य में किसी भी निरीक्षण के दौरान दुकानों के बाहर सामान रखा मिला तो नगर पालिका द्वारा सामान जब्त करने के साथ-साथ संबंधित दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई कर आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य किसी व्यापारी को परेशान करना नहीं, बल्कि बाजार में आने वाले नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। इसलिए सभी व्यापारी नियमों का पालन करें और शहर को व्यवस्थित एवं अतिक्रमण मुक्त बनाने में नगर पालिका का सहयोग करें। उल्लेखनीय है कि नवागत सीएमओ रेखा जाटव के कार्यभार संभालने के बाद नगर में सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं और अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर लगातार सख्ती दिखाई जा रही है। नगर पालिका की इस सक्रियता से शहर की व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका का अमला भी मौजूद रहा। सीएमओ की सख्त चेतावनी के बाद कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों में हड़कंप की स्थिति देखने को मिली।

श्री तारण तरण जैन चैत्यालय में 49 दिवसीय श्री अध्यात्म वाणी पाठ का भक्ति भाव से आयोजन

इटारसी। श्री तारण तरण जैन चैत्यालय, इटारसी में श्री अध्यात्म वाणी जी का 49 दिवसीय सामूहिक पाठ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच निरंतर जारी है। 30 जुलाई से प्रारंभ हुआ यह धार्मिक अनुष्ठान 15 सितंबर तक प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के श्रद्धालु उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। प्रतिदिन प्रात: 8:30 बजे से 9:30 बजे तक समाज के श्रद्धालु, माताएं एवं बहनें भाव-पूजा के साथ सामूहिक रूप से श्री अध्यात्म वाणी जी का पाठ कर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। पूरे आयोजन के दौरान चैत्यालय में भक्ति, अनुशासन और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष वातावरण देखने को मिल रहा है।

भोपाल। हरित प्रदेश की ओर कदम- अवधपुरी योगा सेंटर की महिलाओं ने मंगलवार को मानव संग्रहालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उत्साहपूर्वक लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर सभी ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने और हरियाली बढ़ाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश अकादमी का शानदार प्रदर्शन

1 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर खिलाड़ियों ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव

भोपाल। ओडिशा के कटक में 29 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित प्रथम इंडिया ताइक्वांडो यूथ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 1 रजत एवं 3 कांस्य पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभा और अकादमी की प्रभावी प्रशिक्षण व्यवस्था को एक बार फिर स्थापित किया है। प्रतियोगिता के 63 किलोग्राम भार वर्ग में मध्यप्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी रेवा गुर्जर ने दमदार मुकाबले खेलते हुए रजत पदक अर्जित किया। पूरे टूर्नामेंट में उनके आत्मविश्वास, तकनीकी दक्षता और शानदार प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।अकादमी के तीन अन्य खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किए। हर्षित बघेल ने 63 किलोग्राम वर्ग, अस्मी भारती ने 55 किलोग्राम वर्ग तथा मान्या मिश्रा ने 63 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों के इस सामूहिक प्रदर्शन ने अकादमी की तैयारियों और खिलाड़ियों की मेहनत को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई। मध्यप्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएँ और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। अकादमी के खिलाड़ियों की लगातार राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्रदेश की सुदृढ़ खेल नीति और प्रतिभा संवर्धन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अकादमी के समस्त सहयोगी दल को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मंत्री श्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

1 से 7 अगस्त तक मनाया जा रहा विश्व स्तनपान सप्ताह

भोपाल। प्रदेश में नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उनके स्वर्णिम भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 से 7 अगस्त तक प्रदेश में %विश्व स्तनपान सप्ताह 2026% का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष वैश्विक स्तर पर अभियान की थीम ÷जीवन की सतत शुरुआत के लिए स्तनपान- जो प्रभावी है, उसे और सुदृढ़ करें÷ निर्धारित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित इस विशेष सप्ताह का मुख्य ध्येय प्रदेश में स्तनपान के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना और माताओं को वैज्ञानिक पोषण संबंधी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

शिशु के जन्म के तुरंत बाद पहला घंटा उसके जीवन की स्वस्थ शुरुआत तय करता है। जन्म के समय माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध, जिसे कोलोस्ट्रम या खीस कहा जाता है, नवजात के लिए पहला प्राकृतिक टीका है। प्रदेश के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, विटामिन और आवश्यक खनिज तत्वों से भरपूर यह दूध शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करता है और उसे कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखता है। शिशु के जन्म से लेकर प्रथम छह माह की आयु तक उसे केवल और केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस अवधि में बच्चे को पानी, घुट्टी, शहद या अन्य कोई भी तरल पदार्थ देने की आवश्यकता नहीं होती। माँ का दूध शिशु के लिए पूरी तरह से स्वच्छ, सुरक्षित और संपूर्ण आहार है, जो उसके शुरुआती शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए पूरी तरह पर्याप्त है। बच्चे की उम्र छह माह पूरी होने पर उसे आयु-उपयुक्त पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए। पूरक आहार की शुरुआत के साथ कम से कम दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखना शिशु के समुचित पोषण, शारीरिक विकास और मानसिक परिपक्वता के लिए बेहद ज़रूरी माना गया है। स्तनपान का लाभ केवल शिशु के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। नियमित स्तनपान कराने से माताओं को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं और यह प्रक्रिया माँ एवं शिशु के बीच एक गहरा भावनात्मक और आत्मीय संबंध स्थापित करती है। विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों के आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से सघन जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा।

संपादकीय

विश्वासघात के बाद हार नहीं मानें, वो समय खुद को फिर से गढ़ने का होता है

टूटने के बाद अधिकांश वस्तुएं टुकड़ों में बंट कर बिखर जाती हैं। जब उनको किसी चिपकाने वाले पदार्थ से जोड़ा जाता है, तो वे अपना मूल स्वरूप बदल देती हैं, क्योंकि टूटने के बाद जुड़ने में ऐसा होना स्वाभाविक है। जिंदगी भी कुछ ऐसी ही होती है। जब अप्रत्याशित विश्वासघात या जीवन के संघर्षों के झंझावात किसी व्यक्ति को भीतर तक तोड़कर रख देते हैं, तो उस एक कमजोर क्षण में आात्मघात सबसे पहला और आसान उपाय लगता है। मगर क्या वास्तव में यह समाधान है? क्या किसी धोखेबाज, किसी विपरीत परिस्थिति या किसी कठिन दौर के आगे घुटने टेककर अपनी जीवन-लीला समाप्त कर लेना न्यायसंगत है? बिल्कुल नहीं। जब चोट पहुंचाने वाले, धोखा देने वाले लोग दुनिया में मुस्कुरा रहे हैं और खुश हैं, तब अपनी ही अनमोल जान को दांव पर लगा देना किसी भी समस्या का सही जवाब नहीं हो सकता। यह समय बिखरने का नहीं, बल्कि खुद को पहले से ज्यादा मजबूत बनाकर परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करने का है। जापान में एक पुरानी परंपरा है 'किंत्सुगी'। जब मिट्टी या चीनी के बर्तन टूट जाते हैं, तो जापानी लोग उन्हें फेंकते नहीं हैं। वे उन टूटे हुए टुकड़ों को सोने, चांदी या प्लैटिनम मिश्रित लाख से जोड़ते हैं। परिणाम यह होता है कि वह बर्तन पहले से कहीं अधिक मजबूत हो जाता है और उसकी दरारें सोने की चमक से जगमगा उठती हैं। वह बर्तन अपनी कमियों को छिपाता नहीं, बल्कि उन्हें गर्व से दिखाता है। इंसानी जिंदगी भी ऐसी ही है। विश्वासघात या असफलता से जब हमारा दिल टूटता है, तो हमारे व्यक्तित्व में दरारें आती हैं। लेकिन जब हम धैर्य, आत्म-प्रेम और साहस के अवलेह से खुद को दोबारा जोड़ते हैं, तो हमारा नया स्वरूप पहले से कहीं ज्यादा निखर कर सामने आता है। हमारा मूल स्वरूप बदल जरूर जाता है- हम अधिक परिपक्व और संजीदा हो जाते हैं- लेकिन हमारी आंतरिक मजबूती कई गुना बढ़ जाती है। मनोविज्ञान में एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत है, जिसे 'पोस्ट-ट्रामेटिक ग्रोथ' यानी आघात-पश्चात विकास कहा जाता है। मनोवैज्ञानिक डा रिचर्ड टेडेशी और लारेंस कैलहौन के शोध बताते हैं कि जीवन में गहरे संकट, मानसिक आघात या गंभीर विश्वासघात का सामना करने वाले अधिकतर लोग केवल अवसाद में ही नहीं डूबते, बल्कि एक समय के बाद वे मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हो जाते हैं। इस संकट से गुजरने के बाद लोगों में रिश्तों की बेहतर समझ विकसित होती है, वे सही और गलत लोगों की पहचान करना सीख जाते हैं और उन्हें अपनी उस आंतरिक शक्ति का अहसास होता है, जिससे वे पहले अनजान थे। जब कोई हमें धोखा देता है, तो वह हमारे भरोसे को तोड़ता है। हमारा जीवन किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं हो सकता। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक, आत्मघाती विचार एक 'अस्थायी मानसिक कोहरा' होते हैं। अगर उस एक कमजोर पल को धैर्य से पार कर लिया जाए, तो आगे की जिंदगी में सफलता की नई राहें खुलती हैं। इतिहास और वर्तमान ऐसे नायकों की कहानियों से भरा पड़ा है, जिन्होंने गहरे विश्वासघात और जीवन के झंझावातों को सहा, लेकिन हार मानने के बजाय इतिहास रच दिया। इस बात पर गहराई से विचार करना चाहिए कि जिसने हमें धोखा दिया, विश्वास का कत्ल किया, वह अपनी जिंदगी में मुस्कुरा रहा है, पार्टियां कर रहा है और आगे बढ़ चुका है। ऐसे में हमारे द्वारा उठाया गया कोई भी आत्मघाती कदम उसे दंड नहीं देगा, बल्कि उसे हमारे जीवन के अध्याय को हमेशा के लिए बंद करने का एक बहाना दे देगा। हमारी मृत्यु से सबसे ज्यादा दुख हमारे माता-पिता, सच्चे मित्रों और शुभचिंतकों को होगा, जिनका कोई दोष नहीं था। दोषी व्यक्ति को इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इसलिए सबसे बड़ा प्रतिशोध यह नहीं है कि हम खुद को मिटा दें। सबसे बड़ा और खूबसूरत प्रतिशोध यह है कि हम खुद को इतना कामयाब, खुश और मजबूत बना लें कि हमें चोट पहुंचाने वाले लोग हमारी ऊंचाई को देखकर खुद अपनी नजरों में बौने साबित हो जाएं।

India-China Relation क्या वाकई सुधर रहे हैं? चीन में रह रहे भारतीयों ने चौंकाने वाला सच उजागर किया है!

-नीरज कुमार दुबे

ऐसे समय में जब भारत और चीन के रिश्तों में सुधार की बातें हो रही हैं, वर्षों बाद सीमा व्यापार फिर से शुरू हुआ है और दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद भी तेज हुआ है, उसी बीच चीन में रह रहे भारतीयों ने ऐसी शिकायतें सामने रखी हैं, जिन्होंने सबको चौंका दिया है। भारतीयों का कहना है कि चीन के सोशल मीडिया पर भारत और भारतीयों के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री तेजी से बढ़ रही है, भारतीय पेशेवरों को नौकरी के वीज़ा मिलने में मुश्किलें आ रही हैं और उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर भी कई तरह की पाबंदियां हैं। इतना ही नहीं, भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले चीन ने नई दिल्ली से ऐसी मांग भी कर दी है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है।

हम आपको बता दें कि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने हाल के वर्षों में पहली बार भारतीय समुदाय के साथ ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारत के राजदूत विक्रम दोरईस्वामी, काउंसलर (कॉन्सुलर, शिक्षा एवं सामुदायिक मामलों) नितिनजीत सिंह और काउंसलर (वीजा) रमेश सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे भारतीयों से सीधे संवाद किया। इस बातचीत में भारतीय समुदाय ने जिन मुद्दों को सबसे प्रमुखता से उठाया, वह भारत-चीन संबंधों के वास्तविक हालात की एक अलग तस्वीर पेश करते हैं।

भारतीयों ने शिकायत की कि चीन के सोशल मीडिया मंचों पर भारत, भारतीय संस्कृति और भारतीय खान-पान को लेकर अपमानजनक और भड़काऊ सामग्री तेजी से बढ़ रही है। उनका कहना था कि यह केवल ऑनलाइन ट्रोलिंग का मामला नहीं है, बल्कि इससे चीन में रह रहे भारतीयों के सामाजिक माहौल और सुरक्षा की भावना पर भी असर पड़ रहा है। इसके अलावा भारतीय पेशेवरों को नौकरी के लिए वर्क वीज़ा मिलने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने यह भी बताया कि उनके जीवनसाथियों को रोजगार की अनुमति नहीं मिलने से परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। कुछ लोगों ने दूतावास से जुड़ी काउंसलर सेवाओं में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों का मुद्दा भी उठाया।

राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने इन चिंताओं को गंभीर बताते हुए कहा कि चीन सरकार स्वयं भी सोशल मीडिया पर बढ़ती भारत-विरोधी सामग्री को लेकर चिंतित है और इस दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास भी गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार का मुकाबला तथ्य आधारित जानकारी साझा करके कर रहा है। इसके साथ ही दूतावास भारतीय संस्कृति, खान-पान और विविधता को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए वसंत मेला जैसे लोकप्रिय सांस्कृतिक आयोजनों का दायरा बढ़ाने की योजना बना रहा है ताकि चीन में भारत की सकारात्मक छवि और मजबूत हो सके। दोरईस्वामी ने यह भी बताया कि भारतीय पेशेवरों को रोजगार संबंधी विवादों में कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए दूतावास वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों का एक सहयोगी नेटवर्क तैयार कर रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि भारतीयों की समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे ओपन हाउस कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। वहीं, चीन के नागरिकों के लिए भारतीय वीज़ा प्रक्रिया को भी और सरल बनाने की तैयारी की जा रही है ताकि दोनों देशों के बीच लोगों का आवागमन बढ़ सके। दूसरी ओर, भारत में सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले चीन की एक और पहल ने नई कूटनीतिक चर्चा को जन्म दे दिया है। जानकारी के अनुसार, चीनी दूतावास ने भारत सरकार के समक्ष यह चिंता जताई है कि फालुन गोंग और तिब्बती समुदाय से जुड़े मीडिया संगठनों को सम्मेलन के दौरान सीमित पहुंच दी जाए। चीन नहीं चाहता कि ऐसे मीडिया संस्थानों को उसके प्रतिनिधिमंडल से सवाल पूछने या सम्मेलन के मीडिया कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिले। हम आपको बता दें कि फालुन गोंग चीन में प्रतिबंधित आध्यात्मिक संगठन है और उससे जुड़े कई मीडिया संस्थान, जैसे द एपॉक टाइम्स, चीन की नीतियों के आलोचक रहे हैं। इसी तरह भारत में बड़ी संख्या में तिब्बती शरणार्थी रहते हैं और धर्मशाला सहित कई स्थानों से तिब्बती समुदाय के अपने मीडिया संस्थान संचालित होते हैं। भारत अब तक इन संगठनों को देश के कानूनों के दायरे में स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देता रहा है। ऐसे में चीन की यह मांग केवल मीडिया प्रबंधन का मुद्दा नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की कसौटी के रूप में भी देखी जा रही है। हम आपको यह भी बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आने की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो जिनपिंग सात साल बाद भारत की धरती पर होंगे। उल्लेखनीय है कि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए थे, लेकिन अक्टूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के विवादित क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनने के बाद रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार शुरू हुआ। इसके बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की कई मुलाकातें हुईं, भारत ने चीनी नागरिकों के लिए वीज़ा फिर से जारी करना शुरू किया और चीन ने कैलाश मानसरोवर यात्रा भी बहाल कर दी। बहरहाल, चीन में रह रहे भारतीयों की शिकायतें और भारत में मीडिया की पहुंच को लेकर चीन की नई मांग यह संकेत देती है कि राजनीतिक स्तर पर संवाद बढ़ने के बावजूद जमीनी स्तर पर विश्वास की कमी अब भी पूरी तरह दूर नहीं हुई है। यही वजह है कि दोनों देशों के रिश्ते फिलहाल सहयोग और संदेह, इन दोनों के बीच संतुलन साधने की चुनौती से गुजर रहे हैं।

आखिर क्यों पूरा नहीं कर पाते शिक्षा मंत्री अपना कार्यकाल

-योगेंद्र योगी

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन ने भारत की शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और सरकार की प्राथमिकताओं पर एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल सिर्फ़ इस्तीफा देने वाले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के दौरान शिक्षा मंत्रालय की पूरी दिशा को लेकर भी उठ रहे हैं। साल 2014 से केंद्र में सत्ता में आने के बाद से अब तक मोदी सरकार में शिक्षा मंत्री रही स्मृति ईरानी, प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल %निशंक% और धर्मेंद्र प्रधान को अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किए बिना इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा। सरकारीएजेंसियां

पांचवा शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी को बनाया गया है, हालांकि जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मोदी सरकार को तय करना है कि जोशी ही पूर्णकालिक शिक्षा मंत्री रहेंगे या किसी नए चेहरे की तलाश करके उसको स्वतंत्र रूप से शिक्षा मंत्री के पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जोशी भी विवादों में रहे हैं। साल 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो गैंग रेप और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में उम्र क़ैद की सज़ा काट रहे 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई पर जब चौतरफ़ा सवाल उठ रहे थे, तब प्रल्हाद जोशी ने इसका बचाव किया था।

सवाल यही है कि आखिरकार कोई भी शिक्षा मंत्री अपना कार्यकाल क्यों नहीं पूरा कर पाया। मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में शिक्षा मंत्रालय ही ऐसा प्रमुख मंत्रालय रहा, जिसकी कमान पांच अलग-अलग मंत्रियों ने संभाली वहीं, गृह, विदेश, वित्त, रक्षा और स्वास्थ्य जैसे मंत्रालयों में अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही। शिक्षा, संस्कृति और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आईएनबी) ऐसे कुछ चुनिंदा मंत्रालय हैं, जिन्हें सॉफ्ट पावर की तरह देखा जाता है और जो संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए अहम रहे हैं।

यही कारण है कि यहां विवाद ज़्यादा हुए और अस्थिरता भी उतनी ही दिखती है। गौरतलब है कि आईएनबी में 12 साल के भीतर सात केंद्रीय मंत्री और संस्कृति मंत्रालय में पांच केंद्रीय मंत्री बने हैं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्मृति ईरानी और प्रकाश जावड़ेकर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय संभाला मोदी के दूसरे कार्यकाल में यह ज़िम्मेदारी रमेश पोखरियाल निशंक को मिली। मगर 2021 में हुए कैबिनेट विस्तार के दौरान धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री बना दिया गया, जिनके इस्तीफ़े की मांग को लेकर एक महीने तक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक जंतर-मंतर पर बैठे रहे और आख़िरकार केंद्र सरकार दबाव में आई और प्रधान को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। नीट परीक्षा के लीक होने का मामला अलग कर दें, तो संघ से जुड़े उन सभी प्रमुख लक्ष्यों को धर्मेंद्र प्रधान बिना शोर-शराबा किए लागू करा पाने में सफल रहे हैं, जिनकी कोशिश उनके पूर्ववर्तियों ने ज़ोर लगाते हुए की और विवादों में फंसते गए। ग़ौरतलब है कि 2014 में बनी पहली मोदी कैबिनेट में धर्मेंद्र प्रधान को पेट्रोलियम मंत्री बनाया गया, फिर मोदी के दूसरे कार्यकाल में वे शिक्षा मंत्री बने और मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी यह ज़िम्मेदारी जारी रही। प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को बढ़ावा मिला। मातृभाषा और कई भाषाओं में शिक्षा को उन्होंने बढ़ावा दिया। मगर तीन-भाषा फ़ॉर्मूला पर तमिलनाडु राज्य सरकार के साथ लंबे समय तक वे विवाद के केंद्र में भी रहे।

विरोधियों ने उन पर राजनीतिक हस्तक्षेप और हिंदी थोपने का आरोप लगाया, जिससे शिक्षा नीति केंद्र बनाम राज्य के विवाद का मुद्दा बन गई। मोदी सरकार के कार्यकाल के चारों शिक्षा मंत्रियों में से एक भी अपना विज़न लागू करने के लिए स्वतंत्र नहीं था। रणनीतियां ऊपर से बनती थीं। ये ज़रूर है कि हर मंत्री का उसे लागू करने का तरीक़ा अलग हो सकता है जैसे, स्मृति ईरानी ज़्यादा मुखर थीं, जावड़ेकर रणनीतिक चुप्पी वाले व्यक्ति थे। मोदी के शासन में शिक्षा विभाग में जो भी नीतियां अपनाई गईं, वे सभी वाम विचारधारा को हटाने के मक़सद से लागू हुईं। संघ का मक़सद भारत की शिक्षा व्यवस्था से वाम विचारधारा वाली शिक्षा-पद्धति को हटाना है, क्योंकि संघ मानता है कि वे मुग़लों के समर्थक रहे हैं। संघ की नज़र में, मुग़ल घुसपैठिए हैं और देश की मुस्लिम आबादी उनकी वंशज है। संघ पर आरोप लगते रहें कि इस एजेंडे को पूरा मोदी सरकार के जरिए कराया जा रहा है। इसी लक्ष्य को साधने के लिए मोदी सरकार के चार शिक्षा मंत्रियों के चयन का पैमाना रहा है। स्मृति ईरानी को छोड़ दें, तो नवनियुक्त शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी, प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल %निशंक% और धर्मेंद्र प्रधान संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। वाजपेयी के ज़माने में भी संघ से आने वाले मुरली मनोहर जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया था, जो दर्शाता है कि संघ इस मंत्रालय में अपना दख़ल हमेशा चाहता रहा है। स्मृति ईरानी के साथ उनके नाम पर डिग्री विवाद, जेएनयू विवाद और रोहित वेमुला की आत्महत्या जैसे विवाद जुड़ चुके थे। स्मृति ईरानी संघ की पृष्ठभूमि से नहीं थीं। नई शिक्षा नीति तैयार करने और उसे लागू करने में देरी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्मृति से बहुत खुश नहीं था। संघ के संदेशों को समझना आसान नहीं है। संघ शोर-शराबा नहीं करता। यही कारण है कि फिलाहल संघ की पृष्ठभमि वाले प्रकाश जोशी को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। मंत्रालय में स्मृति ईरानी के कार्यकाल के दौरान नई शिक्षा नीति पर काम की शुरुआत हुई।

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है। यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है।

-ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है। यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है।

शिवलिंग पर सबसे पहले जल चढ़ाया जाता है या बेलपत्र?

शिवलिंग पर बेलपत्र और जल चढ़ाना भगवान शिव की पूजा का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके पीछे गहरा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व छिपा है। माना जाता है कि बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और इसे चढ़ाने से वे प्रसन्न होते हैं। बेलपत्र की तीन पत्तियां त्रिदेवों का प्रतीक मानी जाती हैं और शिव पुराण के अनुसार ये शिव के त्रिशूल और उनकी तीन आंखों का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। बेलपत्र को शीतलता प्रदान करने वाला भी माना जाता है। वहीं, शिवलिंग पर जल चढ़ाना शिव के अभिषेक का एक अभिन्न हिस्सा है। जल सृष्टि का आधार है और जीवन का प्रतीक भी। यह शिव के शांत और कल्याणकारी स्वरूप को दर्शाता है। यही कारण है कि शिवलिंग पूजन बिना जल और बेलपत्र के अधूरा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग पर इन दोनों में से सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए।

- धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से, शिवलिंग पर पूजा का एक निश्चित क्रम होता है और यह क्रम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस क्रम का पालन करने से ही पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसे में शिवलिंग की पूजा के दौरान सबसे पहले जल ही चढ़ाया जाता है। यह एक सर्वमान्य नियम है जिसका उल्लेख शिवपुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है।
- भगवान शिव का अभिषेक सबसे पहले शुद्ध जल से किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जलाभिषेक शिव जी को शीतलता प्रदान करता है जल उनके शांत और सौम्य स्वरूप को दर्शाता है और भक्तों के मन को भी शांति प्रदान करता है। पूजा की शुरुआत हमेशा शुद्धिकरण से होती है। जल से शिवलिंग का अभिषेक करके उसे स्वच्छ और पवित्र किया जाता है।
- जलाभिषेक सबसे पहले इसलिए किया जाता है अन्य पूजन सामग्री को अर्पित किया जा सके। जल जीवन का आधार है और सृष्टि में हर जीव को पोषित करता है। शिव को महादेव कहा जाता है और जल चढ़ाकर हम जीवन की निरंतरता और शिव की पोषक शक्ति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। शिव पुराण और रुद्र संहिता में यह बताया गया है कि शिवलिंग का अभिषेक पहले गंगाजल या शुद्ध जल से करना चाहिए।
- शिवलिंग का सबसे पहले जलाभिषेक करने के बाद दूध, दही, शहद, घी, शक्कर आदि चढ़ाए जाते हैं। इसके बाद फिर से गंगाजल से शिवलिंग को स्नान कराया जाता है और फिर इसके बाद बेलपत्र अर्पित करते हैं। बेलपत्र के बाद फूल, धतूरा, भांग आदि अन्य पूजन सामग्री शिवलिंग पर अर्पित की जाती है। आगे से आप भी शिवलिंग पर सबसे पहले जल चढ़ाएं फिर बेलपत्र अर्पित करें।

सावन में घर में रखें ये चीजें, पूरे महीने बनी रहेगी शुभता

सावन का महीना जिसे श्रावण मास भी कहते हैं, हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीनों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव अपनी पत्नी देवी पार्वती के साथ पृथ्वी पर निवास करते हैं और इस दौरान उनकी पूजा करने से वे विशेष रूप से प्रसन्न होते हैं। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा चढ़ाकर शिव का अभिषेक करते हैं जिससे उन्हें मनोकामनाओं की पूर्ति, सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति मिलती है। खासकर सोमवार के दिन जिसे सावन का सोमवार कहते हैं शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है, जो इस महीने की धार्मिक महत्ता को और बढ़ा देती है। सावन का जितना धार्मिक महत्व है उतना ही ज्योतिष शास्त्र में भी विशेष स्थान माना गया है। सावन माह के शुरू होने से पहले या फिर सावन माह के पहले दिन भगवान शिव से जुड़ी इन 5 चीजों को घर में अवश्य रखना चाहिए। इससे कई लाभ भी मिलते हैं।

सावन के दौरान घर में रखें शिवलिंग

घर में एक छोटा शिवलिंग रखना सावन में बहुत शुभ माना जाता है। इसे पूजा स्थान पर स्थापित करना चाहिए और नियमित रूप से अभिषेक करना चाहिए। शिवलिंग घर में साक्षात शिव की उपस्थिति का प्रतीक है। इसे रखने से चंद्रमा ग्रह मजबूत होता है जिससे मानसिक शांति और स्थिरता आती है। यह राहु और केतु के बुरे प्रभावों को भी शांत करता है जिससे जीवन में अप्रत्याशित बाधाएं कम होती हैं। घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। शिवलिंग की पूजा से व्यक्ति को निरोगी काया और दीर्घायु प्राप्त होती है।

सावन के दौरान घर में रखें त्रिशूल

त्रिशूल भगवान शिव का प्रमुख अस्त्र है और यह तीन लोकों भूत, वर्तमान, भविष्य और तीनों गुणों सत्व, रज, तम पर शिव के नियंत्रण का प्रतीक है। सावन में चांदी या तांबे का छोटा त्रिशूल घर में रखना शुभ होता है। त्रिशूल को घर में रखने से मंगल ग्रह मजबूत होता है। यह घर में नकारात्मक शक्तियों और बुरी नज़र से रक्षा करता है। किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र या टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पड़ता। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे परिवार में शांति और सद्भाव बना रहता है। यह शत्रुओं पर विजय दिलाने और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक है।

सावन के दौरान घर में रखें रुद्राक्ष

रुद्राक्ष भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न हुआ माना जाता है, और इसमें स्वयं शिव का वास होता है। सावन में रुद्राक्ष को घर में लाना और पूजा स्थान पर रखना या धारण करना अत्यंत शुभ है। रुद्राक्ष का संबंध सीधे सूर्य ग्रह और चंद्रमा ग्रह से होता है। इसे धारण करने या घर में रखने से आत्मविश्वास बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है और मन शांत रहता है। यह तनाव और चिंता को कम करता है और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है। रुद्राक्ष पहनने से व्यक्ति को रोगों से मुक्ति मिलती है और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है।

सावन के दौरान घर में रखें डमरू

डमरू भगवान शिव का वाद्य यंत्र है और यह सृष्टि की ध्वनि और लय का प्रतीक है। सावन में छोटा डमरू घर में रखने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। डमरू की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर में सकारात्मक कंपन पैदा करती है। यह शनि ग्रह के बुरे प्रभावों को कम करने में सहायक है। बच्चों के कमरे में डमरू रखने से उनका मन शांत रहता है, भय दूर होता है और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है। यह घर में अमंगल को दूर करता है और बुरी शक्तियों को प्रवेश करने से रोकता है। डमरू घर में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बनाता है।

सावन के दौरान घर में रखें नाग

भगवान शिव के गले में नाग विराजते हैं, इसलिए नाग उन्हें अत्यंत प्रिय हैं। सावन में घर में धातु का नाग-नागिन का जोड़ा रखना शुभ माना जाता है। इसे मुख्य द्वार के नीचे दबाने या पूजा स्थान पर रखने की परंपरा है। नाग-नागिन का जोड़ा राहु और केतु के नकारात्मक प्रभावों को शांत करता है। यह कालसर्प दोष के निवारण में भी सहायक माना जाता है। इसे घर में रखने से रुके हुए काम बनने लगते हैं और धन-समृद्धि में वृद्धि होती है। यह घर को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है। नाग-नागिन का जोड़ा सुरक्षा और संतान प्राप्ति के लिए भी शुभ माना जाता है।

शनिवार के दिन शिव जी से जुड़े करें ये उपाय

भगवान शिव आदि भी हैं और अनंत भी हैं। भगवान शिव भोले भी हैं और क्रोधी भी हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव की आराधना करने से जीवन में सुख-समृद्धि, सौभाग्य, धन-संपदा आदि सभी का वास बना रहता है। ज्योतिष शास्त्र में हर देवी-देवता से जुड़े कुछ उपाय बताये गए हैं जिन्हें उनकी पूजा के साथ-साथ किया जाए तो इससे न सिर्फ देवी-देवताओं की कृपा मिलती है बल्कि कई लाभ भी प्राप्त होते हैं। इसी कड़ी में आज हम जानेंगे शिव जी से जुड़े कुछ उपायों के बारे में, जिन्हें आजमाने से हम भगवान शिव का आशीर्वाद और उनकी कृपा मिलने वाले लाभों को प्राप्त कर सकें।

पारिवारिक शांति के लिए शिव जी का उपाय

एक पीला कपड़ा लें और उस पर लाल चंदन से ऊँ लिखें। फिर ऊँ पर अक्षत छिड़कें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करते हुए उनके पंचाक्षर मंत्र ऊँ नमः शिवाय का 108 बार जाप करें। जाप समापन के बाद उस कपड़े को अच्छे से लपेटकर घर के मंदिर में रख दें। इससे पारिवारिक एवं वैवाहिक क्लेश दूर होगा। घर में शांति की स्थापना होगी और आपसी प्रेम एवं सौहार्द बढ़ेगा।

धन प्राप्ति के लिए शिव जी का उपाय

अगर आपके रुद्राक्ष की माला है या रुद्राक्ष के मनके हैं तो एक मनका लेकर एक कटोरी में रखें और उसे गंगाजल या दूध से स्नान कराएं। इसके बाद रुद्राक्ष के मनके को लाल धागे में पिरोकर घर की तिजोरी में स्थापित करें। अगर आपके पास रुद्राक्ष की माला है तो उसे गंगाजल में भिगोगर घर के लॉकर में रखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति में लाभ मिलने लगेगा और धन प्राप्ति होगी।

सुख-समृद्धि के लिए शिव जी का उपाय

एक बेलपत्र लें और उस पर श्री राम लिखें। फिर उस बेलपत्र को शिवलिंग पर अर्पित कर दें। इसके बाद कोई भी 5 अनाज किसी जरूरतमंद को दान कर दें। इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी। कभी भी घर में अन्न या धन का अभाव नहीं होगा। इसके अलावा, इस दिन आप अगर शिव चालीसा का पाठ करते हैं तो इससे भी शिव जी प्रसन्न होंगे और आप पर उनकी कृपा बरसेगी।

शुरू हो गया है सावन का महीना? सोमवार तिथियां और धार्मिक महत्व

सावन का महीना हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीनों में से एक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी महीने में भगवान शिव धरती पर अपनी ससुराल गए थे, जहां उनका स्वागत जल चढ़ाकर किया गया था। यह भी माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को शिव जी ने इसी महीने पीकर सृष्टि की रक्षा की थी, जिससे वे नीलकंठ कहलाए। इस पूरे महीने भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं, सावन में पड़ने वाले सोमवारों का विशेष महत्व होता है।

- सावन में भगवान शिव की सच्चे मन से पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी इस महीने में शिव जी को प्रसन्न करता है उसे मनचाहा वर या वधू प्राप्त होता है और संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वालों को भी संतान सुख मिलता है।
- सावन में शिव पूजा करने से जीवन की कई परेशानियां दूर होती हैं। यदि आप आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, करियर में बाधाएं आ रही हैं या वैवाहिक जीवन में उलझनें हैं तो शिव जी की पूजा से इन सब में राहत मिल सकती है। कुंडली में राहु-केतु के अशुभ प्रभाव भी दूर होते हैं।
- शिवलिंग पर जल, दूध, शहद और बेलपत्र चढ़ाने से घर और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर का वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मकता आती है। शिवजी की पूजा करने से आरोग्य और लंबी आयु का आशीर्वाद मिलता है।
- माना जाता है कि सावन में शिवजी को जल अर्पित करने से आयु की बाधाएं दूर होती हैं और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए सावन महीने में कठोर तपस्या की थी।
- इससे शिवजी प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती जी को वरदान दिया। इसलिए इस महीने में शिव-पार्वती की एक साथ पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है और अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलता है।

सावन का महीना शुरु हो गया है और इस दौरान शिव भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। ऐसे में यात्रा के दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले क्यों बोलते हैं, चलिए जानते हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए क्यों बोलते हैं बोल बम बम भोल

हर साल सावन मास में शिव भक्त कांवड़ यात्रा करते हैं। इस दौरान शिव भक्त अधिक से अधिक संख्या में गंगा नदी या किसी पवित्र नदी के जल को कांवड़ में भरकर भगवान शिव के मंदिर में शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। कावड़िया सावन शिवरात्रि के खास अवसर पर शिव जी को गंगा नदी का जल अर्पित करते हैं। कावड़िया पैदल चलते हुए कांवड़ यात्रा को पूरा करते हैं। इस दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले मंत्र का जाप करते हुए यात्रा निकालते हैं और शिव जी पर जल चढ़ाने तक इस मंत्र का जाप करते हैं। क्या आपको पता है कि कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त बोल बम बम भोले क्यों कहते हैं?

सदियों से सावन मास में कांवड़ यात्रा करने की प्रथा है। इस यात्रा में भगवान शिव का गंगा नदी के जल से अभिषेक किया जाता है और सोमवार का व्रत रखा जाता है। कांवड़िया केसरिया रंग के कपड़े पहन इस यात्रा को शुरू करते हैं। कावड़िया भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए कई किलोमीटर पैदल यात्रा कर शिव जी को जल अर्पित करते हैं। इस यात्रा के लिए जो भी पवित्र, प्रसिद्ध मंदिर और नदी मिले, वहां से यात्रा प्रारंभ कर शिव जी को जल अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि कांवड़ यात्रा से भगवान शिव अपने भक्तों से बहुत प्रसन्न होते हैं, और उनकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करते हैं।

यात्रा के दौरान बोल बम बम भोले का जयकारा लगाने से कांवड़ यात्रा शिवमय हो जाता है और भक्तों में नया उत्साह और जोश उत्पन्न होता है।

कहा जाता है कि शिव जी के इस नाम का लगातार जाप करने से यात्रा में किसी तरह की बाधा नहीं आती है और बिना विघ्न और बाधा के कावड़ यात्रापूरी होती है।

बता दें कि बोल बम एक सिद्ध मंत्र है, जिसे विस्तार से समझा जाए तो बम शब्द का अर्थ है ब्रह्मा, विष्णु, महेश और ओमकार का प्रतीक है। इस मंत्र का लगातार जाप करने से शरीर में नई ऊर्जा आती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान इन बातों का रखें खास ध्यान

सावन का महीना सभी शिव भक्तों के लिए बहुत खास है। शिव भक्त कांवड़िया बन कर ये गंगाजल को कांवड़ में भरकर शिवलिंग पर अभिषेक करते हैं। सावन मास के शुरुआत के साथ ही गंगाजल भरकर कांवड़िया पैदल चलते हुए उस जल से शिवाभिषेक करते हैं। मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों को कुत्तों से सावधान रहना चाहिए। शास्त्रों में कुत्ते को भगवान काल भैरवका वाहन कहा गया है। काल भैरव भगवान शिव का संहारक रूप है। बता दें कि कुत्ता तामसिक आहार का सेवन करते हैं, इसलिए इन्हें अपवित्र माना जाता है। इसलिए कुत्तों के द्वारा किसी भी पवित्र चीज को स्पर्श करने बचना चाहिए। बता दें कि यदि कांवड़ के जल को कुत्ता छू ले तो वह अशुद्ध हो जाता है। ऐसे में कांवड़ियों को फिर से जल भरकर लाना पड़ता है और अपनी यात्रा पुनः प्रारंभ करना पड़ता है। कांवड़ यात्रा के दौरान चमड़े की चीजों से दूर रहें और भोजन में मांस-मदिरा का सेवन न करें और अन्य तामसिक और राजसिक भोजन के सेवन से बचें।

एक्सपायरी दवाओं का खेल उजागर, निरीक्षक की भूमिका संदिग्ध, कार्यवाही पर उठे सवाल

बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट दवा बिक्री, एक्सपायरी स्टॉक बरामद, औषधि निरीक्षक पर अवैध वसूली के आरोप

सिंगरौली। जिले में दवा कारोबार की परतें जब खुलनी शुरू हुईं, तो सामने आई तस्वीर सिर्फ लापरवाही की नहीं, बल्कि एक संगठित खेल की ओर इशारा करती नजर आई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की एक दिन की औचक कार्रवाई में 16 मेडिकल स्टोरों में जिस तरह की अनियमितताएं सामने आईं, उसने पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। एक्सपायरी दवाओं का खुलेआम स्टॉक, बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के धड़ल्ले से चल रहीं दुकानें और बिलिंग व्यवस्था का अभाव ये सब संकेत देते हैं कि यह खेल लंबे समय से जारी था, लेकिन जिम्मेदार आंखें जानबूझकर बंद रहीं। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में एक्सपायरी दवाएं बरामद हुईं, जो सीधे तौर पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ है। वहीं अधिकांश मेडिकल स्टोरों में न तो योग्य फार्मासिस्ट मौजूद थे और न ही दवाओं के क्रय-विक्रय के वैध दस्तावेज। नियमों के मुताबिक बिना फार्मासिस्ट दवा बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित है, इसके बावजूद यह कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा था। सबसे गंभीर सवाल औषधि निरीक्षक की भूमिका को लेकर उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, निरीक्षक बिहारी लाल अहिरवार पर मेडिकल स्टोर संचालकों से अवैध वसूली करने और उन्हें नियमों की अनदेखी करने की खुली छूट देने के आरोप लग रहे हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम में गहरे पैठे भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। कार्रवाई के दौरान 16 मेडिकल स्टोरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और पांच दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल नोटिस देकर विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेगा, या फिर उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी जिनकी निगरानी में यह खेल वर्षों तक चलता रहा? अब जरूरत है निष्पक्ष और गहन जांच की, ताकि न केवल दोषी मेडिकल स्टोरों पर सख्त कार्रवाई हो, बल्कि उन जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी सामने आए, जिनकी चुप्पी ने इस पूरे खेल को पनपने दिया।

मेडिकल नशे का नेटवर्क, निरीक्षक पर सवाल

जिले में मेडिकल नशे का खतरनाक जाल जिस तरह सामने आ रहा है, उसने स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव हिला दी है। बिना डॉक्टर की पर्ची के प्रतिबंधित दवाइयों की खुलेआम बिक्री और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति अब गंभीर सामाजिक संकट बनती जा रही है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस पूरे खेल के बीच औषधि निरीक्षक बिहारी लाल अहिरवार की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मेडिकल स्टोर संचालकों से हर महीने कथित वसूली के एवज में नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे यह अवैध कारोबार बेखौफ फल-फूल रहा है। अगर ये आरोप सही हैं, तो यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि एक संगठित तंत्र की ओर इशारा करता है, जहां जिम्मेदार ही नियमों को कमजोर कर रहे हैं। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या इस नेटवर्क पर कार्रवाई होगी या फिर यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

बरहट में दो बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, चार किशोर समेत पांच घायल; तीन की हालत गंभीर

सिंगरौली। चितरंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बरहट में रविवार शाम करीब चार बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में चार किशोर समेत पांच लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार तीन बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बरहट मुख्य मार्ग पर बस्ती से मुख्य सड़क की ओर जा रही मोटरसाइकिल और सामने से आ रही बाइक (क्रमांक एमपी 66 जेडजी 8973) की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में शिवेंद्र विश्वकर्मा (13), राजीव विश्वकर्मा (12) पिता शिवप्रसाद विश्वकर्मा, हंश विश्वकर्मा (11) पिता कुंजभान विश्वकर्मा, संजय कोल (24) पिता प्रसादे कोल तथा जलंधर (16) पिता शिवरतन, सभी निवासी ग्राम बरहट, घायल हुए हैं।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सिंगरौली। सावन माह के पहले सोमवार को लेकर जिलेभर के शिव मंदिरों में भक्ति और आस्था का माहौल चरम पर है। सुबह से ही श्रद्धालुओं के शिवालयों में पहुंचने का सिलसिला शुरू होने की संभावना है। मंदिरों में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, रुद्राभिषेक और महाआरती जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। शिव भक्त हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना करेंगे। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर प्रमुख शिव मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। मंदिर समितियों द्वारा साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सतर्क है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इधर, बाबा

धाम सहित विभिन्न ज्योतिर्लिंगों और प्रसिद्ध शिवधामों के लिए कांवरियों के जत्थे भी लगातार रवाना हो रहे हैं। भगवा वस्त्र धारण किए शिवभक्त कंधों पर कांवर लेकर बोल बम के जयघोष के साथ अपनी धार्मिक यात्रा पर निकले हैं। कई श्रद्धालु स्थानीय पवित्र नदियों से जल भरकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे, जबकि बड़ी संख्या में कांवरिए सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में अर्पित करने के लिए पैदल यात्रा कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन का पहला सोमवार भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करने का शुभ अवसर माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है। इसी आस्था के चलते जिले के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

जिंदगी बचाने बाइक सहारा, मौत के बाद सिस्टम बेबस

मासूम के लिए शव वाहन तक नहीं मिला

सिंगरौली। स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता और लचर सिस्टम की एक और दर्दनाक तस्वीर चितरंगी के हरफरी गांव से सामने आई है, जहां आठ साल के मासूम की सांप के काटने से मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि परिजन बच्चे की जान बचाने के लिए रातभर संघर्ष करते रहे और सुबह उसे मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान दोपहर में मासूम ने दम तोड़ दिया।

परिजनों के मुताबिक, रात में सांप ने बच्चे को काट लिया था। तत्काल कोई एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी, जिसके चलते परिवार को मजबूरी में मासूम को बाइक से अस्पताल लाना पड़ा। अस्पताल पहुंचने के बाद भी जिंदगी की जंग हारते इस बच्चे को बचाया नहीं जा सका।

घटना का सबसे संवेदनशील पहलू तब सामने आया जब मौत के बाद भी सिस्टम की बेरुखी खत्म नहीं हुई। परिजनों को शव ले जाने के लिए अस्पताल से शव वाहन तक उपलब्ध नहीं कराया गया। मजबूर और शोकाकुल परिवार अपने मासूम के शव को ले जाने के लिए दर-दर भटकता रहा। यह घटना न केवल ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर करती है, बल्कि प्रशासनिक दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। एक ओर सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दावे करती है, वहीं जमीनी हकीकत में न एंबुलेंस समय पर मिलती है और न ही अंतिम यात्रा के लिए सम्मानजनक व्यवस्था। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह की पीड़ा न झेलनी पड़े।

आपातकालीन सेवा बेपटरी, खुद उपचार मांग रही 108 एम्बुलेंस

देवसर में महीनों से खराब पड़े एम्बुलेंस वाहन, रेफर मरीजों की जान पर संकट; 20 किमी दूरी तय करने में लगे साढ़े तीन घंटे

सिंगरौली। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में जीवन रक्षक मानी जाने वाली 108 एम्बुलेंस सेवा खुद बदहाली का शिकार नजर आ रही है। देवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आपातकालीन सेवा की स्थिति इतनी खराब है कि गंभीर मरीजों को समय पर एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ताजा मामला ग्राम कटौली थाना जियावन निवासी तीन घायलों से जुड़ा है, जिन्हें मारपीट के बाद सीएचसी देवसर लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला चिकित्सालय सह ट्रॉमा सेंटर बैढ़न रेफर कर दिया, लेकिन एम्बुलेंस के इंतजार में मरीजों और परिजनों को घंटों परेशान होना पड़ा।

जानकारी के अनुसार परमेश्वर प्रसाद (50 वर्ष), रामेश्वर प्रसाद (45 वर्ष) और प्रियम मिश्रा (16 वर्ष) के साथ मारपीट की घटना के बाद उन्हें सीएचसी देवसर लाया गया था। डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया। परिजनों ने 108 सेवा के लिए कई बार फोन किया, लेकिन समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। परेशान होकर परिजनों ने अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद जिला प्रबंधक सिंगरौली विपिन गिरी के माध्यम से एम्बुलेंस वाहन क्रमांक सीजी 04 एनडी 2982 उपलब्ध कराने की बात कही गई। बताया जा रहा है कि उक्त एम्बुलेंस बरगवां से देवसर के लिए रवाना होनी थी, लेकिन वाहन के टायरों की हालत बेहद खराब होने के कारण उसे रास्ते में

रोकना पड़ा। टायर बदलने की प्रक्रिया के बाद एम्बुलेंस को भेजा गया, जिसके चलते लगभग रात 1 बजे वाहन सीएचसी देवसर पहुंच पाया। जबकि देवसर से बरगवां की दूरी करीब 20 किलोमीटर है और नियमानुसार इतनी दूरी तय करने में महज 20 से 30 मिनट का समय लगना चाहिए। परिजनों का आरोप है कि एम्बुलेंस के खराब टायरों की जानकारी पहले से जिम्मेदार अधिकारियों को थी, इसके बावजूद मरीजों की जिंदगी के साथ लापरवाही बरती गई। गंभीर स्थिति वाले मरीजों के लिए एक-एक मिनट महत्वपूर्ण होता है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था के कारण मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

देवसर में महीनों से खराब पड़े हैं एम्बुलेंस वाहन

सीएचसी देवसर में एम्बुलेंस व्यवस्था लंबे समय से सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों के अनुसार देवसर क्षेत्र में प्रतिदिन करीब 300 ओपीडी होती है और बड़ी संख्या में प्रसूता महिलाएं भर्ती रहती हैं। इसके अलावा सर्पदंश, जहरखुरानी, सड़क हादसे और आकाशीय बिजली जैसी आपात स्थितियों में तत्काल एम्बुलेंस की जरूरत पड़ती है। बताया गया कि पूर्व में देवसर के लिए उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनएस 2903 खराब होकर खड़ी हो गई थी। इसके बाद दूसरी गाड़ी 8074 उपलब्ध कराई गई, लेकिन उसकी स्थिति भी ठीक नहीं थी। वर्तमान में जो वाहन क्षेत्र में संचालित है, उसमें भी रात के समय हेडलाइट खराब होने जैसी समस्याएं बनी हुई हैं, जिनका महीनों से सुधार नहीं कराया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि देवसर जैसे बड़े क्षेत्र के लिए एक भरोसेमंद और पूरी तरह दुरुस्त एम्बुलेंस की आवश्यकता है। लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण मरीजों को समय पर सुविधा नहीं मिल पा रही है।

प्रेमिका ने दुपट्टे से घोंट दिया प्रेमी का गला, शादी के दबाव में लिया खौफनाक फैसला

मोरवा पुलिस ने सीसीटीवी, एफएसएल और कॉल डिटेल की मदद से कुछ घंटों में सुलझाई हत्या की गुत्थी, युवती गिरफ्तार

सिंगरौली। जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में प्रेम संबंध का दर्दनाक अंत सामने आया है। शादी के लिए लगातार दबाव बनाए जाने से परेशान एक युवती ने अपने प्रेमी की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सत्यप्रकाश गुप्ता के रूप में

हुई है। उसका पिछले करीब दो वर्षों से प्रिया गुप्ता के साथ प्रेम संबंध था। जांच में सामने आया कि सत्यप्रकाश लगातार शादी करने का दबाव बना रहा था, जिससे दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना वाले दिन दोनों कार में मिले थे। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और आवेश में आकर प्रिया ने अपने दुपट्टे से सत्यप्रकाश का गला घोंट दिया। दम घुटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने शव को कार में ही छोड़ दिया और पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से अपने भाई को सूचना देकर अलग कहानी बताने का प्रयास किया। मामले की सूचना मिलते ही मोरवा पुलिस सक्रिय हो गई। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। सीसीटीवी फुटेज, एफएसएल जांच, घटनास्थल से मिले साक्ष्य तथा कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) का विश्लेषण किया गया। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने प्रिया से पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) एवं 238(ए) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है। थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई कर इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा किया।

सरई हायर सेकेंडरी में अव्यवस्थाओं का अंबार, स्वच्छ पेयजल तक से वंचित छात्र

सिंगरौली। देवसर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरई में शैक्षणिक वातावरण और मूलभूत सुविधाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। छात्र-छात्राओं और अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय में अनुशासन और आपसी सम्मान की भावना का अभाव है। उनका कहना है कि शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक संवाद तथा प्रेरणादायी माहौल विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि बच्चों में संस्कार, जिम्मेदारी, सहयोग और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना मजबूत हो सके। विद्यालय की सबसे बड़ी समस्या स्वच्छ पेयजल की बताई जा रही है। छात्रों के अनुसार परिसर में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। उन्हें टैंक का पानी पीना पड़ता है, जिसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। अभिभावकों का कहना है कि दूषित पानी के सेवन से बच्चों के बीमार होने का खतरा बना रहता है। भीषण गर्मी के बावजूद विद्यालय में वाटर कूलर जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंगरौली जिले में अनेक औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं और उनकी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि से विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

माड़ में बड़ा सड़क हादसा, डिवाइडर तोड़ खाई में गिरा हाईवा

सितुल लौवा नदी के पास हुआ हादसा, केबिन में घंटों फंसा रहा चालक

सिंगरौली। माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सितुल लौवा नदी के पास रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर को तोड़ते हुए गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि हाईवा का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में ही फंस गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चालक के केबिन में फंसे होने की सूचना मिलते ही माड़ा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से चालक को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए। बताया जा रहा है कि चालक कई घंटों तक वाहन के अंदर फंसा रहा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल

बना रहा। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभालते हुए राहत कार्य को गति दी। चालक को बाहर निकालने के लिए आवश्यक संसाधनों की मदद ली गई। हालांकि समाचार लिखे जाने तक चालक की स्थिति के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि तेज रफ्तार या वाहन से नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ, लेकिन वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटा रही है और वाहन के खाई में गिरने के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त मार्ग पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। उनका कहना है कि भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते इस मार्ग पर लगातार हादसे हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम करने तथा भारी वाहनों की गति पर सख्ती से नियंत्रण लगाने की मांग की है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और चालक की स्थिति तथा दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जानकारी जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को खाई से बाहर निकालने की कार्रवाई भी जारी है।

माड़ा में निर्माणाधीन पुल के पास पलटा पिकअप वाहन, चालक बाल-बाल बचा

सिंगरौली। जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत छतौली गांव में निर्माणाधीन पुल के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन चालक बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन किसी कार्य से जा रहा था, इसी दौरान निर्माणाधीन पुल के समीप अचानक चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और वाहन सड़क किनारे पलट गया। हादसे में पिकअप क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि चालक को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माणाधीन पुल के आसपास सड़क की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सावधानी की जरूरत है। कई बार ऐसे स्थानों पर संकेतक नहीं होने के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वैढ़न में ताइक्वांडो मास्टर अनस खान सम्मानित, बेटियों को आत्मरक्षा के लिए प्रेरित करने का संकल्प

सिंगरौली। शहर के होटल अंदलीब पैलेस में रविवार को सिंगरौली ताइक्वांडो अकादमी द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर एवं 4 डैन ब्लैक बेल्ट धारक अनस खान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बेटियों को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित करने का संकल्प लेते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) श्रीमती राधा सिंह, जिला कमिश्नर सविता प्रधान तथा सीएसपी विंध्यनगर ललित बैरागी उपस्थित रहे। इसके साथ ही कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज

कराई।कार्यक्रम की शुरुआत अकादमी के छात्रों और अभिभावकों द्वारा अपने अनुभव साझा करने से हुई। उन्होंने बताया कि ताइक्वांडो प्रशिक्षण से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इसके बाद मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए ताइक्वांडो जैसे खेलों को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। राज्यमंत्री राधा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में बेटियों के लिए आत्मरक्षा सीखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने अनस खान और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं सीएसपी ललित बैरागी ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। जिला कमिश्नर सविता प्रधान ने अकादमी के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने की बात कही।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों को बेल्ट प्रमाण पत्र वितरण रहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं मास्टर अनस खान को उनके अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर प्रमाण पत्र और 4 डैन ब्लैक बेल्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किए जाने पर पूरे सभागार में तालियों की गूंज सुनाई दी। अपने संबोधन में अनस खान ने कहा कि उनका उद्देश्य अधिक से अधिक बेटियों को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित करना है, ताकि वे किसी भी परिस्थिति में स्वयं की सुरक्षा कर सकें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को खेल और आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करें। समारोह के अंत में अकादमी की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रम लगातार आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया और परिवार के साथ बिताए गए खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया और अपने परिवार के साथ बिताए कुछ खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं। एक्ट्रेस ने अपनी खुशी भरे निजी पलों की झलक दिखाते हुए इन तस्वीरों को इतना प्यारा कि पोस्ट किए बिना रहा नहीं गया बताया। इन तस्वीरों में प्यारी सेल्फी, परिवार के साथ बिताए पल और यादगार तस्वीरें शामिल हैं। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, मैंने कोशिश तो की, लेकिन ये तस्वीरें इतनी प्यारी थीं कि इन्हें पोस्ट किए बिना नहीं रह सकी।

एक तस्वीर में जाह्नवी शिखर पहाड़िया का हाथ थामे पोज देती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में एक्ट्रेस नीली ड्रेस में शानदार पोज देती दिख रही हैं।

कुछ और तस्वीरों में जाह्नवी अपने पिता बोनी कपूर और बहन खुशी कपूर के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में एक्ट्रेस चमकीले सिल्वर लहंगे में दिख रही हैं। एक और तस्वीर में जाह्नवी शिखर पहाड़िया के साथ डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी यादगार पलों में सबसे अधिक ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें जाह्नवी पोज देते हुए शिखर का हाथ पकड़े हुए हैं।

यह पहली बार नहीं है जब %परम सुंदरी% एक्ट्रेस ने शिखर के लिए अपना लगाव जाहिर किया है। पिछले कुछ समय से जाह्नवी को कई पब्लिक इवेंट्स और आउटिंग्स में शिखर के नाम वाला पर्सनलाइज्ड नेकलेस पहने हुए देखा गया है।

खबरों के मुताबिक, जाह्नवी और शिखर रिलेशनशिप में हैं और कई सालों से साथ हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनके साथ दिखने और इशारों-इशारों में की गई हरकतों से अक्सर उनके रिश्ते को लेकर अटकलें लगाई जाती रही हैं। शिखर, जाह्नवी के साथ कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपनी फिल्म %होमबाउंड% के प्रीमियर के लिए रेड कार्पेट पर वॉक किया था। काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर आखिरी बार बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म पेद्दी में नजर आई थीं। इस फिल्म में राम चरण, जगपति बाबू, शिवराजकुमार, बोमन ईरानी और दिव्येंदु ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 4 जून को रिलीज हुई थी। खबरों के अनुसार, वह निर्देशक उमेश बिस्ट के साथ एक बिना शीर्षक वाली फिल्म के लिए भी बातचीत कर रही हैं।

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से भरा था : रुबीना दिलैक

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में माना कि मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था। अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेजिलिएंस मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा, शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टेबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था। एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टिंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं। बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे खतरों के खिलाड़ी 15 में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं।

मार्वल की दूसरी सबसे बड़ी

ओपनिंग करने वाली फिल्म बनीं स्पाइडर मैन 4

'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' 30 जुलाई को रिलीज हो चुकी है। फिल्म रिलीज के बाद से ही शानदार कमाई कर रही है। अब इसने अपने नाम एक माइलस्टोन भी सेट कर लिया है।

'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने दुनियाभर में ओपनिंग वीकेंड पर 927 मिलियन डॉलर (लगभग 687 मिलियन पाउंड) की कमाई की, जो इसे अब तक की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बना देता है।

इस मामले में यह फिल्म सिर्फ 'एवेंजर्स: एंडगेम' से पीछे है, जिसने 2019 में अपने पहले वीकेंड पर 1.2 बिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी।

टॉम हॉलैंड और जेंडाया की इस फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में भी शानदार प्रदर्शन किया और 335 मिलियन डॉलर का कलेक्शन किया, जो यहां दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग मानी जा रही है। फिल्म की जबरदस्त कमाई से मार्वल स्टूडियोज को काफी राहत मिली है, क्योंकि पिछले कुछ समय में उनकी कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। अब इस फिल्म की सफलता से दिसंबर में आने वाली 'एवेंजर्स: डूम्सडे' को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। अमेरिका के बाहर भी फिल्म ने शानदार कमाई की है। 73,000 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज हुई इस फिल्म ने 572 मिलियन डॉलर कमाए, जिसमें चीन से 121 मिलियन डॉलर और यूके से 49 मिलियन डॉलर शामिल हैं। 'एंडगेम' के बाद आई मार्वल की कई फिल्मों को पहले जैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला था। 'द मार्वेल्स' और 'थंडरबोल्ट्स' जैसी फिल्में अपनी लागत तो निकाल पाईं, लेकिन कमाई के मामले में कमजोर रहीं। हालांकि, स्पाइडर-मैन फ्रेंचाइजी हमेशा से मार्वल की सबसे कमाऊ सीरीज में रही है। 'नो वे होम' ने करीब 2 बिलियन डॉलर की कमाई की थी। स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे में टॉम हॉलैंड एक बार फिर स्पाइडर-मैन के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन 'शांग ची' के डायरेक्टर डेस्टिन डैनियल क्रेटन ने किया है। फिल्म में द पनिशर, हल्क और जीन ग्रे जैसे कई मार्वल किरदार भी देखने को मिलेंगे। कहानी वहीं से आगे बढ़ती है, जहां स्पाइडर-मैन डॉक्टर स्ट्रेंज से दुनिया की याददाश्त मिटाने की बात करता है और मल्टीवर्स को बचाने की कोशिश करता है।

मृणाल ठाकुर का डांस वीडियो फिर हुआ वायरल, दोस्त की शादी में जमकर लगाए ठुमके

मृणाल ठाकुर अक्सर फिल्मों में अपनी एक्टिंग के लिए चर्चाओं में रहती हैं। लेकिन अब उनका एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस अपनी दोस्त की शादी में शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। यह वायरल वीडियो फ्रेंडशिप डे के मौके पर उनकी दोस्त विदुषी पराशर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, जिसके बाद मृणाल ने भी इसे रीपोस्ट किया। देखते ही देखते यह क्लिप तेजी से वायरल हो गई। वीडियो में मृणाल, दिलजीत दोसांझ के हिट गाने 'लवर' पर डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने साड़ी पहनी हुई है और अपनी दोस्त विदुषी के साथ रेड और ऑरेंज शेड्स में ट्विनिंग करती दिख रही हैं। दोनों की जोड़ी और उनकी एनर्जी लोगों को खूब पसंद आ रही है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है और फैंस मृणाल के डांस और उनकी एनर्जी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। मृणाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट्स अक्सर वायरल होती हैं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' में नजर आ सकती हैं, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मैंने बहुत सहा...', फिल्म 'रामायण' की ट्रोलिंग के बीच साई पल्लवी का पुराना बयान वायरल

फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर साई पल्लवी को उनके लुक के लिए ट्रोल किया जा रहा है। फिल्म में वह माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। इस ट्रोलिंग के बीच साई पल्लवी का एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उनका दर्द छलक रहा है। एक पुराने इंटरव्यू में साई पल्लवी कहती हैं, 'साउथ फिल्म 'प्रेमम' से पहले मैं कई तरह की फेयरनेस क्रीम लगाती थीं। मुझे बहुत ज्यादा मुंहासे होते थे। मैंने बहुत कुछ सहा। मेरा घर से बाहर निकलने का मन नहीं करता था। मैं बस घर पर ही रहती थी और सोचती थी कि लोग मेरी आंखों के बजाय मेरे मुंहासों को देखते हैं। उनके बारे में बातें करते हैं।' आगे चलकर फिल्म 'प्रेमम' में साई पल्लवी को सराहा गया, उनकी खूबसूरती की तारीफ की गई। इसके बाद साई का भी नजरिया बदला। वह कहती हैं, 'फिल्म 'प्रेमम' के बाद दर्शकों ने मुझे वैसे ही अपना लिया। वे मुझे और ज्यादा पसंद करने लगे और मैंने देखा कि इस बात का टीनएजर्स पर कितना असर हुआ। इससे मैंने भी भीतर से अपने आप को सशक्त महसूस किया।' बता दें कि ट्रेलर लॉन्च पर निर्देशक नितेश तिवारी ने भी कहा था कि वह साई पल्लवी के अलावा 'रामायण' फिल्म में किसी और अभिनेत्री की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म %रामायण% मेगा बजट मूवी है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल, बोलीं- 'किरदार स्क्रीन टाइम देखकर नहीं..'

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक अल्फा और इक्का जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर भी रिलीज होगा।

एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं। फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। न्यूज 18 से बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए।

कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।'

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।'

बताते चलें कि दीया मिर्जा ऑपरेशन सफेद सागर में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं।

यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

संयुक्त संचालक तृप्ति त्रिपाठी ने आंगनवाड़ी केंद्रों का किया सघन निरीक्षण

पोषण आहार, कुपोषित बच्चों की निगरानी, योजनाओं के क्रियान्वयन और व्यवस्थाओं की जांच कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

इटारसी। महिला एवं बाल विकास विभाग, नर्मदापुरम संभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने मंगलवार को इटारसी परियोजना के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की गुणवत्ता, केंद्रों की साफ-सफाई, हितग्राहियों को मिल रही सुविधाओं तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक समय पर योजनाओं का लाभ पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण की शुरुआत अमीना स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित किचन शेड से हुई। यहां संयुक्त संचालक ने भोजन तैयार करने की व्यवस्था, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, भंडारण, स्वच्छता तथा उपलब्ध संसाधनों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बच्चों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए।

इसके बाद उन्होंने सेक्टर-2 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 109 एवं 68 तथा सेक्टर-5 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 22 और सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 69 का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों के नियमित वजन एवं ऊंचाई मापन, गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की पहचान, उनके उपचार एवं फॉलोअप की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कुपोषण मुक्त समाज बनाने के लिए प्रत्येक बच्चे की नियमित निगरानी और समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए।

संयुक्त संचालक ने केंद्रों में संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए लाभार्थियों की आभा आईडी एवं अपार आईडी की प्रगति, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा छात्रवृत्ति संबंधी प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने, सभी ऑनलाइन प्रविष्टियां समय पर दर्ज करने तथा अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 69 में उन्होंने सुरक्षित पेयजल व्यवस्था, वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग), पोषण वाटिका, स्वच्छता व्यवस्था, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) गतिविधियों, खेल एवं शिक्षण सामग्री सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इन व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए अन्य केंद्रों में भी इसी प्रकार की सुविधाएं विकसित करने पर बल दिया।

निरीक्षण के अंत में श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों से कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सभी पात्र हितग्राहियों का समय पर पंजीयन हो, बच्चों एवं गर्भवती-माताओं को निर्धारित सेवाएं नियमित रूप से मिलें तथा केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी कार्यप्रणाली बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान परियोजना अधिकारी श्री योगेश घागरे, संबंधित पर्यवेक्षक तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमसायू में रामायण- कुशल नायक की कथा पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा का व्याख्यान

अपने साथियों के गुण और उनकी कार्य क्षमता को पहचानता है अच्छा लीडर

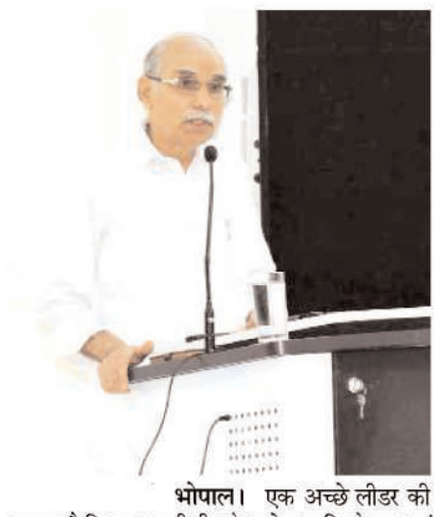

भोपाल। एक अच्छे लीडर की पहचान है कि वह अपनी टीम के प्रत्येक व्यक्ति के गुण एवं कार्य क्षमता को समझे और उसके अनुरूप उन्हें जिम्मेदारी सौंपे। श्रीराम और हनुमान जी के व्यक्तित्व से लीडरशिप का यह गुण ध्यान आता है। यह विचार माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रारंभ की गई मासिक व्याख्यानमाला के पहले व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार श्री रमेश शर्मा ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि हनुमान जी सुग्रीव की टोली के सदस्य थे लेकिन जब उन्हें राम जैसा नेतृत्व मिलता है तब वे अपने स्वरूप में प्रकट होते हैं। भगवान श्री राम ने हनुमान जी की प्रतिभा और क्षमता को पहचानकर उन्हें महत्वपूर्ण कार्य सौंपे। रामायण में जितने बड़े कार्य हुए हैं, उनको सम्पन्न हनुमान जी ने किया है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी अपने नायक से मिलने वाले आदेश के अनुरूप कार्य करते हैं। जितना आदेश होता था उतना ही कार्य करते हैं लेकिन उसे बहुत प्रभावी ढंग से। हनुमान जी माता सीता को लंका से ला सकते थे लेकिन श्रीराम ने केवल पता लगाने भेजा था। इसलिए हनुमान जी ने माता सीता से भेंट करके उनकी कुशलता का समाचार लिया, श्रीराम के संबंध में जानकारी दी और लंकादहन करके रावण को भी अपने नायक की शक्ति का आभास कराया।

उन्होंने कहा कि एक अच्छे लीडर की पहचान है कि वह शांत रहे, क्रोध न करे। हनुमान जी हमेशा शांत रहते हैं। वे क्रोध नहीं करते हैं। पूरी रामचरितमानस में हनुमान जी को गुस्सा नहीं आया है। अगर हमें ऊंचाई पर जाना है तो गुस्सा करने से बचना है। एक अच्छे लीडर को अपने व्यक्तित्व पर भी ध्यान देना चाहिए। व्यक्तित्व निर्माण के लिए अपनी जड़ों को गहरा करना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि अच्छे व्यक्तित्व के लिए आवश्यक है कि हम व्यायाम करें और ज्ञान भी प्राप्त करें। हनुमान जी ने स्वयं को प्रस्तुत करने से पहले शक्ति और ज्ञान का अभ्यास किया है। अपने व्याख्यान में श्री रमेश शर्मा ने कहा कि रामचरितमानस की प्रताप भानु और कालनेमि की कथा हमें संदेश देती है कि हमारे आसपास अनेक छल-प्रपंची हैं। अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है तो इस प्रकार के लोगों से सचेत रहना होगा। बाबा तुलसीदास ने रामचरितमानस में 16 प्रकार के %दुष्ट% लोगों के बारे में संकेत किया है। उसके भी सावधान रहना चाहिए।

उन्होंने बताया कि एक लीडर को सबको साथ लेकर चलना चाहिए। भगवान राम ने समूचे देश को एकसूत्र में बांधने का कार्य किया है। अयोध्या से निकलने के बाद वे सबको जोड़ते हुए आगे बढ़े हैं। रावण के वध के बाद वापस अयोध्या लौटने में उन्हें 20 दिन का समय इसलिए लगा क्योंकि वे लौटते समय सबसे मिलकर लौटे। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने अपने व्यवहार से सामाजिक समरसता का संदेश दिया है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी रामायण में मिलता है। दायित्व बोध और कुटुंब प्रबोधन के संकेत भी हमें राम के जीवन में मिलते हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एक अच्छे लीडर को सदैव अपने पूर्वजों और परंपराओं पर गर्व करना चाहिए।

इस अवसर पर कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि यह व्याख्यानमाला विशेष रूप से शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए है। इस व्याख्यान शृंखला का मुख्य उद्देश्य मीडिया और उससे इतर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, जैसे- नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, आधुनिक तकनीक, विज्ञान, इतिहास, भारतीय संस्कृति, महान विभूतियों के जीवन और उनके योगदान जैसे विषयों पर बौद्धिक परिचर्चा को बढ़ावा देना है। इन सत्रों में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों और अध्येताओं को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। अंत में आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. (डॉ) पी. शशिकला ने किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेन्द्र सिंह राजपूत ने किया।

बीएसएसएस ने पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया स्थापना दिवस

एक शानदार विरासत की शुरुआत

भोपाल। मैनेजमेंट के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने के पांच साल पूरे होने पर, बीएसएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज ने 3 अगस्त 2026 को अपना 5वां स्थापना दिवस मनाया। इस प्रमुख बिजनेस स्कूल ने शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल करने, भविष्य के लीडर्स को तैयार करने और दुनिया भर में इंडस्ट्री और एकेडमिक सहयोग के साथ-साथ व्यापक कौशल विकास को बढ़ावा देने के अपने पांच साल पूरे किए। इस शानदार मौके पर पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजेरियल कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए सर्टिफिकेट वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जो युवा ग्रेजुएट्स के लिए एक अतिरिक्त स्किलिंग प्रोग्राम है।

इस जश्न के कार्यक्रम में एकेडमिक क्षेत्रों, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के जाने-माने लीडर्स शामिल हुए। बीएसएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़ के चेयरमैन और भोपाल के आर्चबिशप डॉ. ए. ए. सेबेस्टियन दुरईराज ने अपने विचारोत्तेजक भाषण में संस्थान की शानदार विकास यात्रा और इसकी अहम उपलब्धियों पर बात की। उन्होंने इंडस्ट्री सेक्टर और व्यापक समुदाय के साथ संबंध मजबूत करने के साथ-साथ टेक्नोलॉजी को अपनाने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया।

मुख्य अतिथि प्रो. अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी, जो ए बी वी यूनिवर्सिटी (बिलासपुर) के पूर्व वाइस-चांसलर हैं, ने अपने मुख्य भाषण में बताया कि कैसे उच्च शिक्षा राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाती है और उन्होंने छात्रों और फैकल्टी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय और कॉर्पोरेट जगत की हस्तियों के तौर पर आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सी ई ओ श्री राज के. सिंह; सिनर्जी यूनिवर्सिटी (मॉस्को, रूस) में एडमिशन डायरेक्टर सुश्री अन्ना यानोवस्काया; और सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड में एच आर के वाइस प्रेसिडेंट श्री सेकर आर. शामिल हुए।

कार्यक्रम के महत्व पर बात करते हुए, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर फादर डॉ. जॉन पी.जे. ने इसे याद करने और सम्मान देने का पल बताया। दर्शकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने ज़ोर दिया कि यह उपलब्धि संस्थान के सेवा के मुख्य सिद्धांत को अपनाने का एक मज़बूत आह्वान है, जो छात्रों और शिक्षकों दोनों को सभी कामों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस कार्यक्रम में %बीएसएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च% का आधिकारिक अनावरण किया गया और दो नए एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम - %पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन कॉर्पोरेट गवर्नेंस% और सिनर्जी यूनिवर्सिटी रूस द्वारा पेश किया गया %पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन एग्री-बिजनेस एंड सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट% - लॉन्च किए गए। इस मौके पर संस्थान के फैकल्टी सदस्यों द्वारा लिखी गई पाँच किताबें भी जारी की गईं। जैसे-जैसे बीएसएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़ ने अपने कामकाज के छठे साल में कदम रख रहा है, संस्थान बेहतरीन शिक्षा, लगातार इनोवेशन और ग्लोबल स्तर पर पहुँच बनाने के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को फिर से दोहराता है। संस्थान ने पूरे इलाके में अपनी मज़बूत पहचान बनाई है और ट्रांसफॉर्मेटिव शिक्षा, मैनेजमेंट ट्रेनिंग और एकेडमिक लीडरशिप के लिए देश के तेज़ी से उभरते हुए बिज़नेस स्कूलों में से एक के तौर पर अपनी प्रतिष्ठा को तेज़ी से मज़बूत किया है।

वेयरहाउस फुल और स्लॉट खत्म- भड़के किसानों ने 3 घंटे तक किया सीहोर रोड जाम

विशेष संवाददाता : विष्णु प्रसाद राठौर

भैरुंदा। जिले में मूंग खरीदी की अव्यवस्था सोमवार को सड़क पर उतर आई। समय पर स्लॉट बुक कराने के बावजूद तुलाई नहीं होने और वेयरहाउस फुल होने से नाराज 200 से अधिक किसानों ने भादाकुई मुख्य रोड पर चक्का जाम कर दिया। करीब तीन घंटे तक सीहोर रोड पर यातायात बाधित रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

जानकारी के अनुसार भादाकुई मुख्य रोड स्थित शिवांश वेयरहाउस पूरी तरह भर चुका है। शनिवार और रविवार को अवकाश के कारण खरीदी बंद रही, जबकि सोमवार को भी वेयरहाउस में जगह नहीं होने से खरीदी शुरू नहीं हो सकी। इससे किसानों की मूंग से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मुख्य मार्ग पर ही खड़ी रह गईं। खरीदी शुरू नहीं होने से आक्रोशित किसानों ने चक्का जाम कर दिया।

किसानों की मांग थी कि शिवांश वेयरहाउस के समीप स्थित ओम साई वेयरहाउस में तत्काल खरीदी शुरू कराई जाए। उनका तर्क था कि इससे खरीदी का दबाव कम होगा और उपज समय पर तौली जा सकेगी। हालांकि प्रशासन कुछ माह पहले अनियमितताओं के आरोप में इन वेयरहाउस को ब्लैकलिस्ट कर चुका था। इसके बावजूद किसान वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इस वेयरहाउस को चालू करने की मांग पर अड़े रहे।

स्लॉट खत्म होने से अलग संकट बरकरार

मूंग खरीदी में केवल वेयरहाउस की समस्या ही नहीं है। जिन किसानों ने समय पर स्लॉट बुक कराया था, उनमें से कई किसान लंबी कतारों और धीमी खरीदी के कारण अपनी बारी का इंतजार करते-करते स्लॉट की अंतिम तारीख भी पार कर चुके हैं। कृषि विभाग के निर्देश पर ऐसे किसानों की सूची सेवा सहकारी समितियों के सचिवों द्वारा पांच दिन पहले विभाग को भेजी जा चुकी है, लेकिन अब तक पोर्टल पर दोबारा स्लॉट बुकिंग अथवा स्लॉट री-एलिवेट करने की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे प्रभावित किसानों की तुलाई अब भी अटकी हुई है।

टोकन है, नंबर है... फिर भी नहीं हो रही तुलाई

खरीदी केंद्र पर किसानों को टोकन तो दे दिए गए हैं, लेकिन जिन किसानों का स्लॉट समाप्त हो चुका है, उनका नंबर आने पर भी बिल जनरेट नहीं हो पा रहा। केंद्र प्रभारी और समिति सचिवों का कहना है कि पोर्टल अनुमति नहीं दे रहा, इसलिए तुलाई संभव नहीं है। इससे किसान और खरीदी केंद्र दोनों असमंजस की स्थिति में हैं।

एक समस्या सुन ली, दूसरी अभी बाकी

भले ही भादाकुई खरीदी केंद्र को बी जिला स्थित पवन पुत्र वेयरहाउस में शिफ्ट कर दिया गया हो, लेकिन बड़ी संख्या में स्लॉट की अवधि समाप्त होने वाले किसानों की समस्या जस की तस बनी हुई है। बांबड़ा बी जिला क्षेत्र के किसान भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। किसान अब प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि पोर्टल पर तत्काल व्यवस्था कर ऐसे किसानों की खरीदी भी शुरू कराई जाए, ताकि उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए दोबारा आंदोलन का सहारा न लेना पड़े।

इस दौरान तहसीलदार सौरभ शर्मा, नायब तहसीलदार रामदास गौरले, थाना प्रभारी घनश्याम दांगी सहित पुलिस प्रशासन मौजूद था।

भैरूंदा में शिव महापुराण कथा का समापन, पूर्णाहुति के साथ कथा संपन्न

विष्णु प्रसाद राठौर, विशेष संवाददाता

नगर के मिलन गार्डन में श्रावण मास के अवसर पर आयोजित श्री शिव महापुराण कथा आज 4 अगस्त को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गई। 31 जुलाई से शुरू हुई इस पांच दिवसीय कथा में रोजाना हजारों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। कथा का वाचन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के पुत्र राघवेंद्र मिश्रा ने किया।

नर्मदा जी की उत्पत्ति और गणेश विवाह का प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

कथा के दौरान पंडित राघवेंद्र मिश्रा ने नर्मदा जी की उत्पत्ति कथा और गणेश जी व रिद्धि-सिद्धि के विवाह का प्रसंग सुनाया। प्रसंग सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए।

इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामाकांत भार्गव, निगम अध्यक्ष रवि मालवीय, नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर सहित अन्य गणमान्य नागरिक कथा में पहुंचे और पंडित जी का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूर्णाहुति के बाद महाप्रसादी का वितरण

समापन पर आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का वितरण किया गया।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को टीओडी योजना का लाभ, इटारसी के 5,972 उपभोक्ताओं को जुलाई में 4.60 लाख रुपये की अतिरिक्त रियायत

इटारसी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे (टीओडी) योजना के तहत बिजली बिल में विशेष रियायत का लाभ दिया जा रहा है। कंपनी के अनुसार जुलाई 2026 के दौरान इटारसी शहर के 5,972 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को कुल 4,60,322 रुपये की अतिरिक्त छूट प्रदान की गई। इनमें गैर घरेलू श्रेणी के 696 उपभोक्ताओं को ही 1,94,342 रुपये की अतिरिक्त रियायत का लाभ मिला। कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टीओडी योजना के अंतर्गत यह अतिरिक्त लाभ दिया जा रहा है। योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को दिन के समय, विशेषकर सौर ऊर्जा उपलब्ध रहने की अवधि में अधिक बिजली उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)